E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 98 | प्रयागराज, बुधवार 24 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान परमाणु ठिकानों की जांच कराने को तैयार, इससे भरोसा बनेगा-ट्रम्प

एटमी मुद्दे पर कोई नई सहमति नहीं-ईरान

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान के संसद अध्यक्ष और अमेरिका-ईरान बातचीत में अहम वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट अब युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। उन्होंने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग की देखरेख आगे ईरान अपने तरीके से करेगा, हालांकि अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन जारी रहेगा। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी प्रेस टीवी के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में अमेरिका के साथ तकनीकी बातचीत के पहले दौर के बाद गालिबाफ ने दोहराया कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालीबाफ ने कहा-'हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, आज भी नहीं करते और भविष्य में भी सावधान रहने में ही समझदारी होगी।' दूसरी ओर, ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने परमाणु ठिकानों की अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए तैयार हो गया है। हालांकि, ईरान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि परमाणु मुद्दे पर कोई नई सहमति नहीं बनी है। वहीं, स्विट्जरलैंड में बातचीत के बाद अमेरिका ने ईरानी तेल पर कुछ पाबंदियों में 60 दिन की ढील दी है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. पाक पीएम बोले-अमेरिका-ईरान वार्ता सफलः पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि स्विट्जरलैंड में हुई बातचीत सकारात्मक रही। दोनों पक्ष 60 दिन के भीतर अंतिम समझौते की दिशा में आगे बढ़ने, हाई लेवल कमेटी बनाने और तकनीकी स्तर की वार्ता जारी

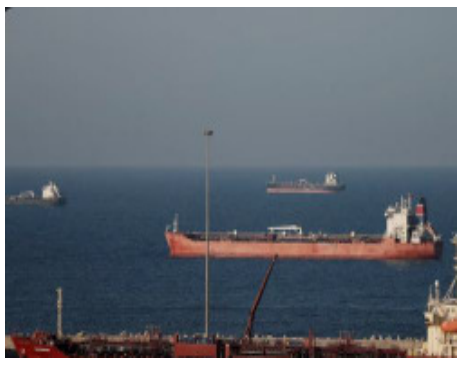

रखने पर सहमत हुए। 2. अमेरिका ने ईरान को 60 दिन तेल बेचने की छूट दीः ट्रम्प प्रशासन ने ईरानी तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उत्पादन और बिक्री पर 21 अगस्त तक के लिए प्रतिबंधों में ढील दे दी। अमेरिका का कहना है कि यह फैसला होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही जारी रखने पर ईरानी सहमति के बाद लिया गया। 3. ईरान ने कहा- बातचीत के बीच भी सेना पूरी तरह अलर्टः ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी गदीर नेजामी ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत जारी रहने के बावजूद सेना की तैयारियों में कोई कमी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए ईरानी सेना पूरी तरह तैयार है। 4. होर्मुज से तेल टैंकरों की आवाजाही फिर बढ़ने लगीः करीब 20 लाख बैरल तेल लेकर दो टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं। यह टैंकर किस देश के हैं इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई हैं। हालांकि, जहाजों की संख्या अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। 5. स्विट्जरलैंड वार्ता के बाद गालिबाफ और अराघची ओमान रवानाः ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची अमेरिका के साथ बातचीत के बाद ओमान पहुंचे हैं। वहां होर्मुज स्ट्रेट के प्रबंधन पर चर्चा होगी। ईरान बोला- अमेरिका से बातचीत संघर्ष का ही हिस्साः-ईरान के संसद अध्यक्ष बाघेर गालीबाफ ने बातचीत को संघर्ष का ही एक हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में मिली सफलता तब तक स्थायी राजनीतिक और कानूनी उपलब्धि नहीं बनती, जब तक उसे कूटनीति के जरिए आगे नहीं बढ़ाया जाए। गालीबाफ ने कहा कि बातचीत भी लड़ाई का एक तरीका है और संघर्ष को आगे बढ़ाने का जरिया है। ईरान वार्ता को कमजोरी नहीं, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए अपनाई गई रणनीति के रूप में देखता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय राजनीति का बड़ा मुद्दा रहा है।

ईरान लगातार दावा करता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। लेकिन अमेरिका और इजराइल इस दावे को नहीं मानते। उनका कहना है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। 2015 का परमाणु समझौता क्या था? 2015 में हुए परमाणु समझौते के तहत ईरान ने यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) का स्तर 3.67फीसदी तक सीमित रखने पर सहमति दी थी।

3.67फीसदी संवर्धित यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु बिजलीघरों के ईंधन के रूप में किया जा सकता है। परमाणु हथियार बनाने के लिए आमतौर पर 90फीसदी या उससे अधिक संवर्धित यूरेनियम की जरूरत होती है। ट्रम्प के फैसले के बाद क्या बदला? 2018 में ट्रम्प ने अमेरिका को 2015 के परमाणु समझौते से बाहर निकाल लिया। इसके बाद ईरान ने धीरे-धीरे यूरेनियम संवर्धन का स्तर बढ़ाना शुरू कर दिया। ईरान ने खुले तौर पर 3.67फीसदी की सीमा से ऊपर जाना शुरू किया। ईरान कितनी दूर पहुंच गया था?अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक जून 2025 तक ईरान 60फीसदी तक यूरेनियम संवर्धन कर रहा था।

उसके पास 60फीसदी संवर्धित यूरेनियम का करीब 400 किलोग्राम भंडार था। यह स्तर परमाणु हथियार के लिए जरूरी 90फीसदी से नीचे है, लेकिन नागरिक उपयोग के लिए जरूरी स्तर से काफी ज्यादा है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट अब युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा।

उन्होंने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग का प्रबंधन आगे ईरान अपने तरीके से करेगा, हालांकि अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन जारी रहेगा। स्विट्जरलैंड में अमेरिका के साथ तकनीकी वार्ता के पहले दौर के बाद गालिबाफ ने दोहराया कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालीबाफ ने कहा, 'हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, आज भी नहीं करते और भविष्य में भी सावधान रहना ही समझदारी होगी।'

ब्रिटेन में 'पहले गे पिता' पर बाल यौन अपराधों के आरोप 'पति' के साथ 18 नए मामलों में चार्ज

लंदन। ब्रिटेन में 'पहले गे पिता' के रूप में चर्चित कारोबारी बैरी ड्रूइट-बार्लो और उनके 'पति' स्कॉट ड्रूइट-बार्लो पर बाल यौन अपराधों और दुष्कर्म समेत 18 नए आरोप लगाए गए हैं। दोनों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसेक्स पुलिस के मुताबिक 57 वर्षीय बैरी ड्रूइट-बार्लो पर नाबालिग के साथ यौन गतिविधि, नाबालिग की यौन सेवाओं के लिए भुगतान, पांच दुष्कर्म और चार यौन उत्पीड़न समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वहीं 32 वर्षीय स्कॉट ड्रूइट-बार्लो पर दो अतिरिक्त दुष्कर्म और यौन गतिविधि के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। नए आरोप 2013 से 2026 के बीच कथित रूप से हुई घटनाओं से जुड़े हैं। दोनों पहले से कई आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे। अदालत ने उन्हें हिरासत में भेजते हुए सितंबर में अगली सुनवाई तय की है। मामले में मुकदमे की अस्थायी तारीख 18 जनवरी 2027 रखी गई है। अभियोजन पक्ष की वकील सेरेना बेरी ने आरोप लगाया कि दोनों कथित रूप से युवा पुरुषों को निशाना बनाते थे, उनसे दोस्ती करते थे और फिर उन्हें अपने घरों व अन्य संपत्तियों पर बुलाकर उनका शोषण करते थे। बैरी ड्रूइट-बार्लो 1999 में उस समय चर्चा में आए थे, जब वह और उनके तत्कालीन साथी सरोगेसी के जरिए बच्चे पाने वाले ब्रिटेन के पहले समलैंगिक पिता के रूप में सुर्खियों में आए थे।

उत्तराखंड के कैप्टन की मदद करेंगे विदेश मंत्री-रूस से तेल लाते समय ब्रिटेन में हुए थे गिरफ्तार

2 महीने पहले पिता का इलाज कराकर ड्यूटी जॉइन की

रामनगर। उत्तराखंड के नैनीताल के मर्चेंट नेवी कैप्टन अजय पंत को ब्रिटेन से सुरक्षित वापस लाने में विदेश मंत्रालय मदद करेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस मामले की पूरी रिपोर्ट मांगकर लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग को हर कानूनी मदद देने के निर्देश दिए हैं। मामले को खुद लंदन स्थित भारतीय

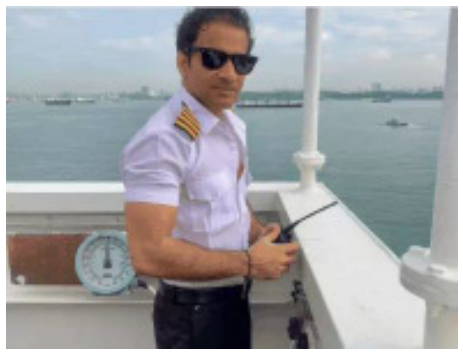

उच्चायोग में तैनात पी. कुमारन देख रहे हैं। ब्रिटेन के अखबार 'द गार्जियन' के मुताबिक, ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) ने अजय को रूस से गैर-कानूनी तरीके से तेल लाने के आरोप में 14 जून की रात गिरफ्तार किया था। इसके बाद 16 जून को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई को बॉर्नमाउथ क्राउन कोर्ट में होगी। द गार्जियन के मुताबिक, इस मामले में उन्हें अधिकतम 10 साल की सजा हो सकती है। ब्रिटेन की सत्ताधारी लेबर पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर इसे रूस के खिलाफ की गई कार्रवाई बता रहे हैं। मामले पर रूस भी नजर बनाए हुए है। कैप्टन की पत्नी रितु पंत ने 17 जून को एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री से अपने पति की रिहाई की मांग की है। अजय पंत नैनीताल के रामनगर के चिल्किया गांव रहने वाले हैं। वे छुट्टियां बिताकर 23 अप्रैल को घर से ड्यूटी पर गए थे। शुरुआत से लेकर अब तक क्या-क्या हुआ? 1. 4 जून 2026- रूस से भारत के लिए रवानगी- प्रतिबंधित तेल टैंकर एमवी स्मिर्टोस पर रूस के उस्त-लूगा टर्मिनल से एक लाख एक हजार 400 टन कच्चा तेल लादा गया। कैप्टन अजय पंत इस जहाज को लेकर गुजरात (भारत) के सिक्का पोर्ट के लिए रवाना हुए थे। 2. 14 जून 2026 (रविवार)- ब्रिटिश मरीन कमांडो का आधी रात को सीक्रेट ऑपरेशन- यह रूसी तेल टैंकर बिना किसी वैध राष्ट्रीय झंडे के ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र में घुस गया। दरअसल, यह जहाज पहले अफ्रीकी देश कैमरून के झंडे के तहत रजिस्टर था, लेकिन अक्टूबर 2025 से प्रतिबंधित होने के कारण जून की शुरुआत में ही कैमरून ने इसे अपनी रजिस्ट्री से बाहर कर दिया था, जिससे यह 'बिना झंडे' का हो गया था। पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टारर के सीधे निर्देश पर ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय और नेशनल क्राइम एजेंसी ने एक साझा सीक्रेट ऑपरेशन चलाया। आधी रात के अंधेरे में चिनूक हेलिकॉप्टर से रॉयल मरीन कमांडो रस्सियों के सहारे जहाज पर उतरे और उसे अपने नियंत्रण में ले लिया। इसी दिन शाम को कैप्टन अजय पंत को गिरफ्तार कर लिया गया। जहाज पर भारत और जॉर्जिया के 24 क्रू मेंबर्स अभी भी मौजूद हैं और जहाज को डॉर्सेट के वेमाउथ तट के पास रोककर खड़ा किया गया है। 3. 16 जून 2026 (मंगलवार)- ब्रिटिश कोर्ट में पेशी और जमानत खारिज- कैप्टन अजय पंत को साउथेम्प्टन मजिस्ट्रेट कोर्ट में बॉर्नमाउथ पुलिस स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। उन पर 'रूस (प्रतिबंध) विनियम 2019 के नियम 46ज़ी 9बी' के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। दोष सिद्ध होने पर उन्हें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। सरकारी अभियोजक वरुण चुनी ने कोर्ट को बताया कि जहाज पर करोड़ों का तेल है। वहीं बचाव पक्ष के वकील जेम्स डायमंड ने तर्क दिया कि कैप्टन केवल कंपनी के कर्मचारी हैं और वरिष्ठों का आदेश मान रहे थे। कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर कैप्टन को न्यायिक हिरासत (जेल) में भेज दिया। मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई 2026 को बॉर्नमाउथ क्राउन कोर्ट में होगी। 4. 17 जून 2026 - पत्नी ने एक्स पर पीएम मोदी से मांगी मदद- कैप्टन की पत्नी रितु पंत को इस गिरफ्तारी की आधिकारिक सूचना किसी विभाग से नहीं, बल्कि ब्रिटिश मीडिया और सोशल मीडिया से मिली। रितु पंत ने 17 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि अजय पिछले 15 साल से बेदाग रिकॉर्ड के साथ काम कर रहे हैं, वे केवल नौकरी के तहत अपनी कंपनी के निर्देशों का पालन कर रहे थे, इसमें उनकी कोई व्यक्तिगत गलती नहीं है। 5. कैप्टन अजय पंत के पिता बीमार- कैप्टन अजय पंत के पिता वीसी पंत (जो खुद पेयजल निगम से सेवानिवृत्त हैं और क्रिकेट खिलाड़ी रहे हैं) महज डेढ़ महीने पहले ही दिल्ली के गंगाराम अस्पताल से गंभीर बीमारी को मात देकर लौटे हैं। बुजुर्ग पिता, मां दीपा पंत और दो छोटी बेटियां सदमे में हैं। अजय ही परिवार के मुख्य कमाने वाले हैं, जबकि उनका छोटा भाई अभिषेक एयरलाइंस में प्राइवेट नौकरी करता है। परिवार ने क्षेत्रीय सांसदों अनिल बलूनी और अजय भट्ट से भी मदद मांगी है। 6. उत्तराखंड सरकार ने विदेश मंत्रालय से मदद मांगी- उत्तराखंड के गृह सचिव शैलेश बगौली ने बताया कि राज्य सरकार ने भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) को पत्र लिखकर कैप्टन अजय पंत की सुरक्षित रिहाई और वतन वापसी के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। दिल्ली में तैनात राज्य के क्षेत्रीय आयुक्त लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। ब्रिटेन में स्थित भारतीय उच्चायोग को कैप्टन अजय पंत तक राजनयिक पहुंच दे दी गई है ताकि उन्हें कानूनी और हर जरूरी मदद मुहैया कराई जा सके।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर का इस्तीफा,100 से ज्यादा सांसद विरोध में थ

10 साल में ब्रिटेन के पांचवें प्रधानमंत्री ने पद छोड़ा

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित

करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। लेबर पार्टी के 400 सांसदों में से 100 से ज्यादा सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। सांसदों का कहना था कि या तो स्टार्मर तुरंत प्रधानमंत्री का पद छोड़ें, या फिर यह तारीख तय करें कि वे किस दिन इस्तीफा देंगे। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, रक्षा मंत्री जॉन हीली और एक अन्य मंत्री जेस फिलिप्स ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग को लेकर पद छोड़ दिया था। स्टार्मर पिछले 10 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले पांचवें प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले डेविड कैमरून, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस ने पीएम पद से इस्तीफा दिया था। 17 जुलाई तक ब्रिटेन को नया प्रधानमंत्री मिलेगा-स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी जुलाई के मध्य तक अपना नया नेता चुन लेगी। नए नेता और प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी को पूरा सहयोग देंगे। स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स III को अपने फैसले की जानकारी दे दी। अब लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) नए नेता के चुनाव का कार्यक्रम तय करेगी। इसके तहत 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 17 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले नए नेता का चुनाव पूरा करने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटेन में जनता सीधे प्रधानमंत्री नहीं चुनती। लोग अपने-अपने क्षेत्र से सांसद चुनते हैं। जिस पार्टी के पास संसद में बहुमत होता है, उसी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनता है। अभी लेबर पार्टी की सरकार है। इसलिए जो व्यक्ति पार्टी का नया नेता बनेगा, वही प्रधानमंत्री बनने का सबसे बड़ा दावेदार होगा। इसके लिए पूरे देश में आम चुनाव कराने की जरूरत नहीं होती। बर्नहम ने पीएम पद की दावेदारी पेश की-स्टार्मर के खिलाफ रहे एंडी बर्नहम ने लेबर पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। बर्नहम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सत्ता सौंपने की प्रक्रिया को जिम्मेदारी और व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस प्रक्रिया में अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी बर्नहम का समर्थन किया है, जिससे उनके लेबर पार्टी का नया नेता चुने जाने की संभावना बढ़ गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहैम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहैम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन है।

कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट में हुआ धमाका जिसमे 12 भारतीयों समेत 13 की मौत,दो दिन पहले प्रोडक्शन शुरू हुआ था

दोहा। कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट रास लाफान के एलएनजी कॉम्प्लेक्स में रविवार शाम विस्फोट हुआ। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 12 भारतीय हैं। इसके अलावा 66 लोग घायल हुए हैं। कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। अल-काबी ने बताया-'विस्फोट रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ। हादसे में घायल हुए लोगों में भारत, कतर, तंजानिया, पाकिस्तान, गिनी, नेपाल, बांग्लादेश, घेन्या और नाइजीरिया के नागरिक शामिल हैं।' ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह एक हादसा था। इसमें किसी साजिश या जानबूझकर की गई हरकत के संकेत नहीं मिले हैं।

उनके मुताबिक, जरूरी मरम्मत के कारण दिसंबर 2025 से प्लांट का उत्पादन पूरी तरह बंद था और इसे सिर्फ दो दिन पहले ही दोबारा शुरू किया गया था। हादसे के कारणों की शुरू कर दी गई है। राजधानी दोहा तक धमाके की आवाज सुनाई दी-ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, रविवार शाम ऑपरेशन शुरू करने की प्रक्रिया के दौरान बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में विस्फोट और आग लगी थी। आपातकालीन टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और अब आग पर काबू पा लिया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज राजधानी दोहा तक सुनाई दी। 70 किलोमीटर दूर रहने वाले लोग भी घबरा गए। हालांकि, ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने कहा कि हादसे से पर्यावरण को कोई खतरा नहीं है और कतर से गैस की सप्लाई भी जारी रहेगी। जहां हादसा हुआ, वह बरजान गैस प्लांट कतर के सबसे बड़े गैस हब रास लाफान का हिस्सा है।**आगे की ख़बर पेज संख्या 07 पर..**

ब्रिटेन के संभावित नए पीएम बर्नहैम टीवी सीरियल देखकर राजनीति में आए

लंदन। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह एंडी बर्नहैम नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बर्नहैम ने पीएम पद के लिए दावेदारी भी पेश कर दी है। बर्नहैम 19 जून को मेकरफील्ड से उपचुनाव जीतकर सांसद बने थे। पार्टी में उनकी लोकप्रियता के चलते तभी से ही स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ गईं थी। इस स्टोरी में जानिए पत्रकारिता से करियर की शुरुआत करने वाले बर्नहैम कैसे इंग्लैंड के 'किंग ऑफ द नॉर्थ' बने-टीवी सीरियल देखने के बाद राजनीति में आए बर्नहैमः- बर्नहैम का जन्म 1970 में लिवरपूल में हुआ था, लेकिन उनका बचपन चेशायर के कुलचेथ गांव में बीता। उनके पिता टेलीकॉम कंपनी बीटी में इंजीनियर थे, जबकि मां एक क्लिनिक में रिसेप्शनिस्ट थीं। दोनों लेबर पार्टी के समर्थक थे। एंडी बर्नहैम का राजनीति में आने का फैसला किसी नेता के भाषण से नहीं, बल्कि एक टीवी ड्रामा देखकर हुआ था। उन्होंने बताया

है कि 14 साल की उम्र में बीबीसी का फेमस सीरियल बॉयज फ्रॉम द ब्लैकस्टफ देखने के बाद उन्होंने लेबर पार्टी से जुड़ने का मन बनाया। यह ड्रामा लिवरपूल में बेरोजगारी और आर्थिक संकट की कहानी पर आधारित था।**आगे की ख़बर पेज संख्या 07 पर..**

सेवायोजन,आई टी आई एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर दिया गया विशेष जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को सेवायोजन विभाग को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक युवाओं का दिए कि जनपद में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों का व्यापक

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सेवायोजन एवं रोजगार तथा कौशल विकास मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्लेसमेंट की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता युवाओं को अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है, जिसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पंजीकरण कराया जाए तथा उन्हें निजी एवं सरकारी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों से जोड़ा जाए। बैठक में आई टी आई एवं कौशल विकास मिशन के अंतर्गत चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता न रह जाए, बल्कि युवाओं को वास्तविक रूप से रोजगार योग्य बनाया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रशिक्षण के उपरांत प्लेसमेंट सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा इसमें प्रतिभाग कर सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता,प्रधानाचार्य राजकीय आई टी आई/ जिला समन्वयक विवेक कुमार तिवारी,जनपद के अन्य राजकीय आई टी आई के प्रधानाचार्य,जिला प्रबंधक (कौशल विकास) राजीव कुमार सिंह,वंदना सिंह,जिला सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव,जिला कार्यक्रम प्रबंधक सत्यम तिवारी,आई टी आई के प्लेसमेंट अधिकारी सी एम श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री परशुराम ब्रह्म चेतना परिषद के द्वारा बिहार में भरत तिवारी के एनकाउंटर मामले में निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। श्री परशुराम ब्रह्म क्रांतिकारी से कम नहीं होता है। मीडिया में चल रही तस्वीरों में करना चाहिए ना की न्याय के विपरीत कार्य करना चाहिए।

चेतना परिषद (भारत) के द्वारा बिहार में भरत तिवारी के एनकाउंटर मामले में निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करते हुए अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी ने एनकाउंटर मामले में रोष व्यक्त करते हुए गहरी चिंता व्यक्त की गई।परिषद का मानना है हर नागरिक की मृत्यु की परिस्थितियां पारदर्शी निष्पक्ष जांच का विषय है। कानून का शासन सभी के लिए सामान्य होना चाहिए। भेदभावपूर्ण स्थित नहीं होनी चाहिए। यदि कोई समाज के उपेक्षित लोगों के लिए अपना जीवन न्योछावर कर देता है। कहीं ना कहीं वह कोई स्पष्ट है जब भरत तिवारी ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया और अपनी रिवॉल्वर फेंक दिया ऐसी कौन सी मजबूरी थी जो पुलिस उन्हें गोली मार देती है और एनकाउंटर करती है। क्या समाज में ब्राह्मणों पर इसी तरीके संविधान के विरुद्ध एनकाउंटर करके ब्राह्मणों को कमजोर किया जाएगा। सैकड़ो वर्षों से लोगों को न्याय दिलाने के लिए गरीब , निराश्रित लोगों की आवाज उठाने के लिए ब्राह्मण को शहीद होते कब तक देखते रहेंगे। जिला अध्यक्ष राजेश पांडे ने कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा पुलिस को उसे गिरफ्तार यदि इसी तरीके बिहार पुलिस कार्य करती रहेगी तो पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठेंगे। श्री परशुराम ब्रहम चेतना परिषद भरत तिवारी की एनकाउंटर की न्यायिक जांच की मांग करता है। भरत तिवारी के परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए उन्हें किसी प्रकार से डराया धमकाया न जाए। निर्दोष लोगों को बेवजह परेशान ना किया जाए। इस मौके पर पंकज मिश्रा, राजेश पांडे, राघवेंद्र द्विवेदी, राजेंद्र अवस्थी, देवेश दिक्षित, सुनील मिश्रा, सुभाष मिश्रा, उमाशंकर त्रिवेदी, राजकुमार शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में कौशांबी की बेटी का दमदार प्रदर्शन, जाह्नवी शर्मा ने जीता कांस्य पदक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ/ कौशांबी। राज्य स्तरीय सिंगा-माका, सब समारोह में उत्तर प्रदेश सूरज प्रकाश श्रीवास्तव, जनरल सेक्रेटरी तथा उत्तर प्रदेश कराटे खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत है।' जाह्नवी के पिता, शिक्षक कृष्ण कुमार शर्मा ने खुशी जताते

जूनियर, जूनियर एवं सीनियर पेनकॉक सिलाट चैंपियनशिप 2026 चौक स्टेडियम, लखनऊ में 19 एवं 20 जून को आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में कौशांबी जिले की होनहार खिलाड़ी जाह्नवी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। जाह्नवी शर्मा ने अपनी पूर्व उपलब्धियों को जारी रखते हुए इस बार भी अपनी प्रतिबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया। कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास के बल पर उन्होंने प्रतियोगिता में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। समापन एसोसिएशन के महासचिव जसपाल सिंह ने जाह्नवी शर्मा को ब्रॉन्ज मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने जाह्नवी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाएं ही राज्य और देश का नाम रोशन करती हैं। जाह्नवी की इस उपलब्धि पर कौशांबी कराटे एसोसिएशन की अध्यक्ष रीना शर्मा, सचिव अतुल सोनकर और उपाध्यक्ष नरेन्द्र केसरवानी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा, 'जाह्नवी ने न केवल कौशांबी बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया हैं। उसकी मेहनत अन्य हुए कहा कि बेटी की सफलता पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। आयुष साहू, विपिन सिंह सहित अन्य शुभचिंतकों ने भी जाह्नवी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जाह्नवी शर्मा की इस उपलब्धि ने कौशांबी जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्थानीय प्रशासन और खेल संगठनों से अपेक्षा है कि ऐसी प्रतिभाओं को और बेहतर सुविधाएं एवं प्रोत्साहन मिले ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर सकें।

डीएम की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक सम्पन्न

डीएम ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका से 31 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश से महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत व

की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 01 से 31 जुलाई 2026 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 जुलाई 2026 के मध्य दस्तक अभियान को लेकर जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय टास्क फोर्स की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी व विषाणु जनित रोगों के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुडे मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में 01 पहले संचारी रोग नियंत्रण के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि जनपद में दोनों अभियानों को सफल बनाने हेतु ब्लाक स्तर पर बैठक आयोजित कर ली जाये। बैठक में सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर एक माइक्रो प्लान तैयार कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि जितना अच्छा माइक्रोप्लान तैयार किया जाएगा, उतना ही बेहतर कार्य होगा। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में वेक्टर जनित रोगों की संभावना अधिक रहती है, जिसको ध्यान में रखते हुए माइक्रो प्लान तैयार किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण उचित ठीक ढंग से कराया जाए। अभियान में निगरानी समितियां डोर-टू-डोर सर्वे करेंगी और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित होगा, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएंगी साथ ही निकायों द्वारा स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग व शुद्ध पेयजल के लिए कार्य किया जाएगा।

ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों/नालों व नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए समय समय पर टीकाकरण अभियान चलाया जाए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में जलभराव व साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा नालियों की साफ सफाई के साथ फॉगिंग भी कराया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चंद्रा, उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

नैनी में विश्व संगीत दिवस पर 20 दिवसीय समर कैम्प का भव्य समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। विश्व संगीत दिवस के पावन अवसर पर गोपीनाथ रूप में डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह, श्रीमती कुमकुम आचार्य, श्री बी.बी. दुबे एवं श्री अवधेश पांडेय सहित हुए उन्हें निरंतर संगीत साधना एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

संगीत कला ट्रस्ट एवं माँ शारदा संगीत समिति, नैनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 20 दिवसीय समर कैम्प-2026 का भव्य समापन समारोह रामलीला पार्क, नैनी में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पं. प्रेम कुमार मलिक (विभागाध्यक्ष, संगीत एवं प्रदर्शन कला, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज) तथा श्रीमती मीना खन्ना (निदेशिका, घुँघरू प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना के साथ ही अनेक मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री लक्ष्मीकांत त्रिपाठी एवं श्री अवधेश सिंह द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं, गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की अध्यक्षा सुश्री सीमा त्रिपाठी तथा माँ शारदा संगीत समिति के निदेशक श्री अभिषेक सिंह ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत किया। समारोह के दौरान संगीत के समर्पित साधकों एवं प्रशिक्षकों को 'गुरु वंदन सम्मान' से सम्मानित किया गया तथा समर कैम्प के सभी प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। अपने आशीर्वचन में मुख्य अतिथि पं. प्रेम कुमार मलिक ने नवोदित कलाकारों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन लोक गायक श्री दिलीप कुमार चौधरी एवं श्री कृष्ण कुमार सत्यार्थी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर श्री विनीत श्रीवास्तव, श्री राहुल, आशीष शर्मा, मुकेश पाण्डेय जी, सुगंधा निषाद, श्री ओम, सुश्री चारु, सुश्री नेहा मिश्रा, श्री देवराज सिंह, सुश्री अंकिता सिंह, सुश्री शांभवी शर्मा, सुश्री शिवानी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, प्रशिक्षु एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। अंत में गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की अध्यक्षा सुश्री सीमा त्रिपाठी एवं माँ शारदा संगीत समिति के निदेशक श्री अभिषेक सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले सभी अतिथियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

कूड़ा उठाने के नाम पर जनता की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: अविनाश सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सफाई व्यवस्था के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। सेक्टर-53 एलिवेटेड रोड के नीचे एक कूड़ा उठाने वाली गाड़ी से लापरवाही के चलते एक बोरा अचानक गिर गया, जो बाइक सवार के ऊपर जा गिरा। गनीमत रही कि बाइक सवार की जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि कूड़े से भरी गाड़ी बिना उचित सुरक्षा व्यवस्था के सड़क पर चल रही है और रास्ते में सामान गिरता जा रहा है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने इस घटना पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि नोएडा की जनता की सुरक्षा के साथ इस तरह का खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगर किसी व्यक्ति की जान चली जाती तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता? करोड़ों रुपये के टेंडर लेने वाली कंपनियों को जनता की जिंदगी से ज्यादा अपने मुनाफे की चिंता है। युवा क्रांति सेना के नेतृत्व में जल्द ही प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी, जिसमें वायरल वीडियो, फोटो और अन्य साक्ष्यों के साथ पूरे मामले को नोएडा की जनता के सामने रखा जाएगा। युवा क्रांति सेना की मांग है कि लापरवाही करने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई हो। दोषी कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए। जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय हो।

मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली के पांच दिवसीय योग महोत्सव का भव्य समापन, योग साधना के साथ सेवा और संस्कार का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन आध्यात्मिक सेवा संस्थान इकाई रायबरेली की ओर से आयोजित पांच दिवसीय योग महोत्सव का 22 जून को भव्य एवं गरिमामयी वातावरण में समापन हुआ। योग, संस्कार और सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में योग साधकों, महिलाओं, बच्चों, युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर स्वस्थ जीवन और सकारात्मक समाज निर्माण का संकल्प लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल कोर्ट रायबरेली के सिविल जज स्वप्निल पांडेय, विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायबरेली के प्राचार्य एसके श्रीवास्तव तथा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राइजिंग चाइल्ड स्कूल के प्रबंधक एडवोकेट अरविंद श्रीवास्तव उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ योग साधना एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ हुआ। जिले के वरिष्ठ योग गुरु डॉ. रवि प्रताप सिंह एवं रायबरेली में योग की अलख जगाने वाले स्तंभ प्रकाश नारायण पाठक ने साधकों को सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगाभ्यास के माध्यम से लोगों ने स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का संदेश ग्रहण किया। सिविल जज स्वप्निल पांडेय ने कहा कि योग भारतीय ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का मार्ग दिखाता है। योग को जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जा सकता है। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायबरेली के प्राचार्य एसके श्रीवास्तव ने कहा कि योग विद्यार्थियों और युवाओं के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। इससे एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक सोच का विकास होता है। एडवोकेट अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि मातृभूमि सेवा मिशन का योग महोत्सव सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक जागरण का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो समाज को नई दिशा प्रदान करता है। योग गुरु डॉ. रवि प्रताप सिंह ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत और आध्यात्मिक रूप से जागरूक बनता है। योग को दैनिक जीवन में अपनाना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर जिले के योग स्तंभ योग गुरु प्रकाश नारायण पाठक, डॉ. रवि प्रताप सिंह, डॉ. विश्राम यादव, बृजमोहन (बीएम), राम सजीवन यादव, राम शरण सिंह, योग प्रशिक्षक राजेंद्र त्रिपाठी, सलोन से रामशरण सिंह, अनूप शर्मा, राज अग्रहरि, दिनेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में योग शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली के जिला अध्यक्ष रामराज गिरी, वरिष्ठ संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, संरक्षक अजय मिश्रा, संरक्षक प्रोफेसर डॉ. संजय सिंह, संयोजक प्रदीप पांडेय, सहसंयोजक रामानुज मिश्रा, महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा, रवींद्र सिंह, बृजेश सिंह, शैलेंद्र तिवारी, अशोक मिश्रा, कामाख्या नारायण चौबे, प्रोफेसर प्रवेश नारायण सिंह सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में आराध्या, शिवांशी, सृष्टि, सीमा सहित सभी योग साधिकाओं के अलावा रश्मि पांडेय, सुमन यादव सहित बड़ी संख्या में बच्चे और अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। मातृभूमि सेवा मिशन आध्यात्मिक सेवा संस्थान का उद्देश्य योग, संस्कार, सेवा और भारतीय जीवन मूल्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। पांच दिवसीय योग महोत्सव के समापन में स्वास्थ्य, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का नया संदेश दिया गया।

सराय अकिल कौशांबी में 20 दिवसीय नौटंकी कार्यशाला के समापन पर प्रस्तुति नौटंकी 'जैसी करनी वैसी भरनी ' का मंचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शनिवार को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ (संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश) एवं इंडियन फोक एंड मॉडर्न आर्ट अकादमी प्रयागराज उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में श्री रघुराज सिंह स्मारक महाविद्यालय , फकीराबाद सराय अकिल कौशांबी में चल रहे 20 दिवसीय (दिनांक 1 जून 2026 से 20 जून 2026) लोकनाट्य नौटंकी कार्यशाला का समापन कौशांबी जिले के कई विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा कार्यशाला में तैयार प्रस्तुति नौटंकी ' जैसी करनी वैसी भरनी ' का मंचन भागवत रिसॉर्ट फकीराबाद सराय अकिल कौशांबी में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी श्री गुनाकर सिंह , प्रयागराज कराटे क्लब के निदेशक श्री मिथुन निषाद राजीव प्रताप सिंह , रामेश्वर सिंह एवं प्रयागराज के वरिष्ठ रंगकर्मी श्री रमेश धुरिया के द्वारा दीप प्रज्वलन तथा लोक गायिका शिखा बोस के सरस्वती वंदना के द्वारा हुआ। नौटंकी 'जैसी करनी वैसी भरनी' की कहानी एक ऐसे दीनानाथ उर्फ जालिम सिंह की है जो अपने कारनामों से पूरे गांव को परेशान कर रखा था जिस कारण पूरा गांव उससे नाराज़ रहता था और सब लोग उससे रिश्ता खत्म कर देते हैं और एक समय ऐसा आता है कि जालिम सिंह के जीवन में ऐसा सैलाब आता है कि उसका सबकुछ खत्म हो जाता है और वह पैसे पैसे के लिए तबाह हो जाता है तब उसे अपनी गलती का एहसास होता है और वो सभी गांव वालों से माफी मांगता है। इस प्रस्तुति को देखने के लिए कार्यक्रम स्थल के आस पास के रहने वालों की भीड़ भागवत रिसॉर्ट में उमड़ पड़ी क्योंकि कौशांबी में इस तरह की ये पहली लोकनाट्य नौटंकी कार्यशाला थी जिसमें जिला कौशांबी के कई विद्यालय विद्यालयों के छात्र और

छात्राओं ने नौटंकी शैली को पढ़ा लिखा और सीख कर प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में नट का किरदार सचिन गौतम ,नटी आकांक्षा पारुल, जालिम सिंह शुभम, संगीत मास्टर आशीष कुमार, ग्राम प्रधान राहुल गौतम,जालिम की बहन नंदनी तथा अन्य कलाकार आशुतोष गुप्ता , जय सिंह, प्रीति , रौशनी प्रजापति राधिका अभय गुप्ता आदि थे तथा ढोलक पर संतोष कुमार हारमोनियम पर महेश कुमार , नक्कारा संदीप कुमार वस्त्र विन्यास शकुंतला। रूप सज्जा हमीद अंसारी विद्युत व्यवस्था हिमांशु शर्मा , सह निर्देशन सलोनी कन्नौजिया एवं सचिन गौतम तथा कार्यशाला प्रशिक्षक, परिकल्पना एवं निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी रमेश कश्यप का रहा।

माह जुलाई से दिसम्बर तक होने वाले ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का रोस्टर निर्धारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने शासन

के निर्देशानुसार माह जुलाई से दिसम्बर 2026 तक ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' में जन समस्याओं के निस्तारण हेतु माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को तहसीलों में आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सहदेव मिश्र एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव की अध्यक्षता में रोस्टर निर्धारित किया गया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार 04 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी तहसील लालगंज में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील डलमऊ में, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) तहसील ऊँचाहार में, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) तहसील महराजगंज में, तहसील सलोन में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 18 जुलाई को जिलाधिकारी तहसील ऊँचाहार में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील सलोन में, एडीएम (प्रशासन) तहसील सदर में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील डलमऊ में एवं एडीएम (न्यायिक) तहसील लालगंज में। 01 अगस्त को जिलाधिकारी तहसील सलोन में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील ऊँचाहार में, एडीएम (प्रशासन) तहसील महराजगंज में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील सदर में एवं एडीएम (न्यायिक) तहसील डलमऊ में। 15 अगस्त को जिलाधिकारी तहसील महराजगंज में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील सदर में, एडीएम (प्रशासन) तहसील डलमऊ में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील लालगंज में, एडीएम (न्यायिक) तहसील ऊँचाहार में। 05 सितम्बर को जिलाधिकारी तहसील सदर में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील महराजगंज में, एडीएम (प्रशासन) तहसील लालगंज में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील सलोन में, एडीएम (न्यायिक) तहसील डलमऊ में। 19 सितम्बर को जिलाधिकारी तहसील डलमऊ में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील लालगंज में, एडीएम (प्रशासन) तहसील सलोन में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील ऊँचाहार में, एडीएम (न्यायिक) तहसील सदर में। 03 अक्टूबर को जिलाधिकारी तहसील लालगंज में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील ऊँचाहार में, एडीएम (प्रशासन) तहसील सलोन में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील सदर में, एडीएम (न्यायिक) तहसील डलमऊ में। 17 अक्टूबर को जिलाधिकारी तहसील ऊँचाहार में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील सलोन में, एडीएम (प्रशासन) तहसील सदर में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील डलमऊ में, एडीएम (न्यायिक) तहसील लालगंज में। 21 नवम्बर को जिलाधिकारी तहसील महराजगंज में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील सदर में, एडीएम (प्रशासन) तहसील डलमऊ में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील लालगंज में, एडीएम (न्यायिक) तहसील ऊँचाहार में। 05 दिसम्बर को जिलाधिकारी तहसील सदर में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील महराजगंज में, एडीएम (प्रशासन) तहसील लालगंज में, एडीएम (वि0/रा0) तहसील सलोन में, एडीएम (न्यायिक) तहसील डलमऊ में। 19 दिसम्बर 2026 को जिलाधिकारी तहसील डलमऊ में, मुख्य विकास अधिकारी तहसील लालगंज में, एडीएम (प्रशासन) तहसील सलोन में एडीएम (वि0/रा0) तहसील ऊँचाहार में एवं तहसील सदर में एडीएम (न्यायिक) की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उपरोक्त सारणी में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार के समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सदर तथा प्रत्येक माह के तृतीय शनिवार के समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) डलमऊ द्वारा उक्त तिथियों में प्रतिभाग किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील मुख्यालय पर प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 02 बजे तक आयोजित किया जायेगा। स्थापित व्यवस्था में माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को कोई सार्वजनिक अवकाश पड़ता है तो अगले कार्य दिवस में तहसील समाधान दिवस आयोजित किया जायेगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन पर जिलाधिकारी के उपलब्ध न होने के दशा में नामित अधिकारी द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस संचालित किया जायेगा।

पत्रकारों के विरुद्ध झूठी शिकायतों पर महासंघ ने जताई चिंता, निष्पक्ष जांच की मांग,,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)म.प्र/शहडोल/ब्यौहारी। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ, जिला इकाई शहडोल ने पत्रकारों

के विरुद्ध कथित रूप से झूठी एवं भ्रामक शिकायतें कर उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने के प्रयासों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। महासंघ के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी द्वारा प्रस्तुत आवेदन में उल्लेख किया गया है कि महासंघ के वरिष्ठ पत्रकार साथी एवं ब्लॉक महासचिव रामराज गुप्ता तथा संभागीय उपाध्यक्ष निलेश सोनी के विरुद्ध पत्रकार सूर्यभान यादव द्वारा फोन पर गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने संबंधी शिकायत की गई है, जिसे महासंघ ने प्रथम दृष्टया तथ्यहीन एवं भ्रामक बताया है। महासंघ के अनुसार ग्राम साखी के सरपंच हीरालाल साकेत द्वारा निलेश सोनी को दूरभाष पर यह जानकारी दी गई थी कि पत्रकार सूर्यभान यादव द्वारा किसी अन्य संगठन के नाम पर राशि लिए जाने एवं अतिरिक्त धनराशि की मांग किए जाने की बात सामने आई थी। इसी संबंध में तथ्य जानने के उद्देश्य से निलेश सोनी ने सूर्यभान यादव से दूरभाष पर संपर्क किया था। बातचीत के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित हुई और बाद में कथित रूप से ऑडियो को संपादित कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। साथ ही निलेश सोनी के विरुद्ध थाना ब्यौहारी में शिकायत भी प्रस्तुत कर दी गई। महासंघ ने यह भी आरोप लगाया है कि ब्लॉक महासचिव रामराज गुप्ता के विरुद्ध भी बिना किसी ठोस आधार के शिकायत दर्ज कराई गई, जिससे उनकी पत्रकारिता एवं सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। मामले को लेकर भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ की ब्लॉक इकाई ब्यौहारी द्वारा 17 जून 2026 को थाना प्रभारी ब्यौहारी को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की गई थी, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से पत्रकारों में असंतोष व्याप्त है। महासंघ का कहना है कि पत्रकारों के विरुद्ध झूठे आरोप लगाकर उनकी छवि खराब करने तथा मानसिक प्रताड़ना देने की प्रवृत्ति लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। संगठन ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति द्वारा लगातार पत्रकार साथियों को बदनाम करने एवं उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। फॉरेंसिक जांच की मांग- महासंघ ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि वायरल किए गए ऑडियो की तकनीकी एवं फॉरेंसिक जांच कराई जाए ताकि वास्तविक तथ्य सामने आ सकें। साथ ही यदि शिकायत मिथ्या एवं दुर्भावनापूर्ण पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) सहित अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने की अपील-महासंघ ने मांग की है कि प्रभावित पत्रकारों की प्रतिष्ठा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने केलिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि जिला पुलिस प्रशासन निष्पक्षता एवं कानून सम्मत कार्रवाई करते हुए पूरे मामले में न्याय सुनिश्चित करेगा। महासंघ ने स्पष्ट किया कि पत्रकारों की गरिमा एवं स्वतंत्र पत्रकारिता की रक्षा के लिए संगठन सदैव प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों का लोकतांत्रिक एवं कानूनी तरीके से विरोध करता रहेगा।

ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार पर श्रद्धा और भक्ति में सराबोर हुआ रायबरेली, समाजसेवियों ने किया प्रसाद वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार के पावन अवसर पर संपूर्ण जनपद प्रभु श्रीराम भक्त हनुमान भक्ति में सराबोर दिखाई दिया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित भंडारों एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रमों में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। कोतवाली रोड, बस स्टॉप, कैंपरगंज, घंटाघर, तिलक भवन, अस्पताल चौराहा, सिविल लाइन, डिग्री कॉलेज सहित नगर के लगभग सभी प्रमुख स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों वेव पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रमों में पहुंचकर श्रद्धालुओं के मध्य प्रसाद वितरित किया तथा जनमानस को एकता, सेवा और श्रद्धा का संदेश दिया। समाजसेवी संगठन के पदाधिकारियों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित होकर श्रद्धालुओं का

स्वागत किया और प्रसाद वितरण में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। के.डी. मालवीय विद्यालय में टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिमेष श्रीवास्तव एडवोकेट, कोतवाली रोड के निकट दिनेश त्रिवेदी, तिलक भवन में भाग्य नारायण गुप्ता, सहित सम्पूर्ण जनपद में अनेक श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। वहीं जनपद के विभिन्न मंदिरों में भक्तों ने हनुमान जी का पूजन-अर्चन कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। श्रद्धा के इस महापर्व पर व्यापार मंडल अध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा, प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी, टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिमेष श्रीवास्तव एडवोकेट, सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओ.पी. यादव सहित अनेक राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने डीएम मेधा रूपम के समक्ष रखा समस्याओं का पुलिंदा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम से मुलाकात की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के व्यापारियों, उद्यमियों, छात्रों और आम जनता से जुड़ी गंभीर समस्याओं के निवारण हेतु एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा। व्यवस्थाओं के नाम पर शहर में मिल रही परेशानीः विकास जैन बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा जिला संयोजक विकास जैन ने शहर की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिलाधिकारी के समक्ष जमीनी हकीकत रखते हुए बेहद कड़े शब्दों में कहा, 'महोदय, इस शहर में व्यवस्थाओं के नाम पर जनता और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह सड़कें टूटी हुई हैं, बुनियादी ढांचा ध्वस्त है। जब जिम्मेदार अधिकारियों के सीयूजी (सीयूजी) नंबर ही महीनों तक बंद रहेंगे, तो ऐसे में व्यापारी अपनी व्यथा किसे सुनाए? व्यापार करना दूभर हो गया है। डीएम ने बांधे तारीफों के पुल, दिया अनोखी पहल का भरोसा- व्यापारियों की समस्याओं और विकास जैन के तीखे सवालों को बेहद

गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम ने उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के जनहित के कार्यों की जमकर सराहना की। उन्होंने हौसला बढ़ाते हुए कहा-'आप लोग दिन-प्रतिदिन व्यापारियों की सेवा में समर्पित रहते हैं और समाज के हर कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल जैसा सक्रिय संगठन जिस भी शहर में होगा, उस शहर की तरक्की को कोई नहीं रोक सकता। आपका मंडल इसके लिए बधाई का पात्र है। डीएम ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए एक बड़ी कार्ययोजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही एक विशेष पहल शुरू करने जा रही हैं, जिसके तहत किसी भी एक दिन व्यापारियों और संबंधित विभागों के आला अधिकारियों को एक साथ टेबल पर बिठाया जाएगा, ताकि आमने-सामने बात करके एक-एक समस्या का मौके पर ही त्वरित निस्तारण (ऑन द स्पॉट निपटारा) किया जा सके। प्रशासन बहुत जल्द इसे अमल में लेकर आएगा। ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख मुद्देः- बंद पड़ा जीएसटी कमिश्नर का सीयूजी नंबरः विकास जैन ने अवगत कराया कि जीएसटी कमिश्नर का सीयूजी नंबर पिछले 6 महीने से लगातार बंद चल रहा है, जिससे व्यापारी और उद्यमी अपनी समस्याएं उन तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। सड़कों व बुनियादी ढांचे की बदहालीः संगठन के चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने बताया कि आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए साइट-4 (ग्रेटर नोएडा) सहित सेक्टर 115, सेक्टर 49, बरौला और एलिवेटेड रोड के नीचे की सड़कें पूरी तरह जर्जर हैं।

बस सुपरवाइजर ड्यूटी से लौटते समय अज्ञात ऑटो की टक्कर से गंभीर रूप से घायल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। बड़ागांव थाना क्षेत्र के बेदी पुआरी कला निवासी रोहित प्रसाद, जो कैंट डिपो में बस सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं, बीते रविवार शाम

ड्यूटी से घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि वे शिवपुर स्थित कदंबिनी लॉन के पास वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आए एक अज्ञात ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रोहित प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार दुर्घटना में उनके पैर फ्रैक्चर हुआ और सर व हाथ में गंभीर चोटे आई हैं जिससे हालत नाजुक है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ऑटो तेज गति से और गलत दिशा से आ रहा था। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल के परिजनों ने बड़ागांव थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लखनऊ की घटना के बाद जनपद में कोचिंग संस्थानों का सघन निरीक्षण

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर पुलिस अधीक्षक एवं सचिव रायबरेली विकास प्राधिकरण ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की दर्दनाक घटना का संज्ञान लेते हुए जनपद रायबरेली में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर निरीक्षण अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ एवं अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह,

अपर जिलाधिकारी न्यायिक/ सचिव रायबरेली विकास प्राधिकरण विशाल कुमार यादव द्वारा संयुक्त रूप से जनपद के

व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने पाया कि कई संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से अनुपालन नहीं किया जा रहा है। इस पर उन्होंने संबंधित संचालकों को निर्देशित किया कि वे अग्नि सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल का आयोजन भी कराएं। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत भीड़-भाड़ वाले संस्थानों में विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कोचिंग संचालकों को सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा आपात स्थिति में त्वरित सूचना प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह भी निर्देशित किया कि सभी संस्थान अपने यहां अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करें एवं भवन मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।जनपद प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि इस प्रकार के निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, डिप्टी कलेक्टर सचिन यादव, फायर सेफ्टी ऑफिसर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

विभिन्न कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संस्थानों में अग्निशमन यंत्रों (फायर एक्सटिंग्विशर) की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशीलता, आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट), विद्युत वायरिंग की स्थिति, भवन की संरचनात्मक सुरक्षा तथा विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कोचिंग

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मृतक के परिजन को मिला दो लाख रुपये का बीमा दावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दुर्घटना में मृत युवक के परिजन को दो लाख रुपये की बीमा सहायता राशि प्रदान की गई। मंगलवार को केनरा बैंक की रॉबर्ट्सगंज शाखा में आयोजित कार्यक्रम में वाराणसी मण्डल के बैंक अधिकारी बुलुसू पवन कुमार एवं लीड बैंक के अधिकारी ने मृतक के पिता को बीमा दावा राशि का चेक सौंपा। सिद्धिकला क्षेत्र के भदोही गांव निवासी रविन्द्र की 30 सितंबर को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान 4 अक्टूबर को उनकी मृत्यु हो गई थी। बताया गया कि रविन्द्र ने करीब 3 वर्ष पूर्व बैंक मित्र शक्ति पाल के माध्यम से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मात्र 20 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा कर बीमा कराया था।मृत्यु के बाद परिजनों ने बीमा दावा प्राप्त करने के लिए बैंक से संपर्क किया। आवश्यक विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद बैंक प्रबंधन ने दावा स्वीकृत कर मृतक के पिता सीताराम को दो लाख रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर वाराणसी मण्डल के अधिकारी बुलुसू पवन कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए कठिन परिस्थितियों में बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस योजना से जुड़ने की अपील की। शाखा प्रबंधक विश्वदीप मिश्रा ने बताया कि बेहद कम प्रीमियम में उपलब्ध यह योजना दुर्घटना की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। कार्यक्रम में बुलुसू पवन कुमार , शाखा प्रबन्धक विश्वदीप मिश्रा, धर्मवीर सिंह, जितेंद्र यादव, रोहित कुमार शर्मा,पवन कुमार गुप्ता, संदीप कुमार, बैंक मित्र शक्ति पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा, लखनऊ हादसे के मृत छात्रों को दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकासखंड रॉबर्ट्सगंज सभागार में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की गई।

कार्यक्रम का संचालन एडीओ पंचायत एवं अभियंता श्यामधर ने किया।

बैठक के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेश शुक्ला एवं रामसेवक पटेल मौजूद रहे।

बैठक में शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, घरौनी, खतौनी सहित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि गांवों के विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाए।

बैठक के अंत में लखनऊ के कोचिंग सेंटर हादसे में जान गंवाने वाले 15 छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी लालजी शुक्ला, एडीओ आईएसबी इमरान खान, खंड शिक्षा अधिकारी, पशुपालन विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारी, सुधीर श्रीवास्तव, मंगल पटेल, अवधेश चौबे, मुलायम सिंह यादव, पिंकू पांडेय, पवन शुक्ला, गुड्डू भारती, सुखराम भारती सहित क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर जिला मुख्यालय में बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम एवं योजना बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता जी ने की। बैठक में मुख्य रूप से बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई तथा संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सदर विधायक श्री भूपेश चौबे जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सदर विधायक श्री भूपेश चौबे जी ने विधानसभा सिद्धांत आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया तथा संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद जिले के महामंत्री संतोष शुक्ला मनोज सोनकर ब्लाक प्रमुख आलोक सिंह जी पूर्व ब्लॉक प्रमुख चोपन श्री बंशीधर जिले के उपाध्यक्ष शंभुनारायण अनिल सिंह जी अमन मौर्या रजनीश रघुवंशी सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मनरेगा बचाओ व अन्य मांगों को लेकर खेत मजदूर यूनियन और भाकपा कार्यकर्ताओं ने राजमार्ग से नारेबाजी के साथ जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पर किया जोरदार धरना- प्रदर्शन

भी.बी. जी रामजी योजना को बताया ग्रामीण मजदूरों को दास बनाने की योजना और इसे रद्द करने किया मांग। धरना प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सोनभद्र का जल,जंगल, जमीन बचाओ और यहां आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना कराओ की भी उठाया आवाज।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को उत्तर प्रदेश खेत मजदूर यूनियन और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मनरेगा बचाओ और राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत अपने विभिन्न मांगों के समर्थन में राजमार्ग से जोरदार नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी उद्यान पहुंच कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और जोरदार प्रदर्शन करते हुए धरना दिया । जहां वक्ताओं ने कहा कि- यह सबसे बड़ी त्रासदी है कि आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर दुनियां की सबसे बड़ी ऐतिहासिक योजना मनरेगा, जिसके तहत ग्रामीण गरीब मजदूरों को गांव में ही काम मिल रहा था । जिसको तमाम कुर्बानियों और शहादतों के बाद खेत मजदूरों ने हासिल किया था। मनरेगा योजना में मजदूरों को काम और बेरोजगारी भत्ता की गारंटी के साथ ही सारे अधिकार ग्राम सभाओं को मिला हुआ था। मौजूदा भारत सरकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से इतनी नफरत है कि मनरेगा को समाप्त करके ' विकसित भारत -- रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) योजना को कानूनी रूप देकर मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना की हत्या कर रही है। ज्ञात रहे कि ' वीबी-- जी आरएएम (जी) योजना 01 जुलाई 2026 को कानूनी शक्ल अख्तियार कर लेगी। ऐसी स्थिति में 23 जून 2026 को खेत मज़दूर साथियों द्वारा 'निर्णायक रूप' से हथौड़ा चलाने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। 'मनरेगा' योजना में 90 प्रतिशत बजट का धन भारत सरकार और 10 प्रतिशत बजट का धन राज्य सरकारें बहन करती थी , फिर भी सभी को 100 दिन काम नहीं मिल पाता था, उसके ठीक विपरीत ' वीबी- - जी आरएएम (जी), ' विकसित भारत -- रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) योजना में भारत सरकार को 60 प्रतिशत ओर प्रान्तीय सरकारों को 40 प्रतिशत बजट की व्यवस्था करनी होगी, जाहिर है कि प्रान्तीय सरकारें पूरी तरह कर्जों तले दबी हुई हैं, ऐसे में प्रान्तीय सरकारें धन की व्यवस्था नहीं कर पायेंगी और भारत सरकार 60 प्रतिशत बजट से अतिरिक्त बजट की व्यवस्था नहीं करेगी। दूसरी बात है कि नये कानून के तहत भारत सरकार कृषि कार्य के समय पूरे दो महीने तक काम बन्द रखेगी और सारा अधिकार ग्राम सभाओं से छीनकर भारत सरकार ने अपने अधिकार में ले लिया है। परिणाम होगा कि ' भी बी -- जी राम (? जी) योजना धन के अभाव में अन्तिम सांस लेने लगेगी और भाजपा सरकार को इस योजना को बन्द करने का बहाना मिल जाएगा और देश के करोड़ों ग्रामीण खेत मजदूर किंकर्तव्यविमूढ़ होकर तमाशा देखता रह जाएगा, ऊनकी आजीविका छिन जाएगी और भाजपा सरकार की मजदूरों को गुलाम बनाने की साजिश सफल हो जाएगी। धरना प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति महोदया के नामित 15 सुत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। जिसमें निम्न प्रमुख मांगे रहीं। 01 -- भी बी -- जी राम (जी) योजना को जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। 02 -- मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना को पुराने रुप में अविलम्ब बहाल किया जाए। 03 -- सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को वर्ष में 200 दिन काम और 700 रुपए प्रतिदिन न्यूनतम गारंटीशुदा मजदूरी दिया जाए। 04 -- सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को योजना के तहत काम न मिलने की स्थिति में बेकारी भत्ता की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।05 -- सभी खेत मजदूरों को 55 वर्ष की उम्र के बाद न्यूनतम 6000 रुपए मासिक पेंशन की व्यवस्था किया जाए। 06 -- मनरेगा योजना में भारत सरकार और प्रान्तीय सरकारों द्वारा दिए जाने वाले पुराने बजट व्यवस्था को बदस्तूर जारी रखने के साथ ही जाब कार्ड को ध्यान में रखते हुए 250 लाख करोड़ का बजट जारी किया जाए। 07 -- सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित किया जाए। 08 -- सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को उनके प्राकृतिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन को वापस किया जाए। 09 -- धारा 132 की जमीनों उसर, बंजर, ग्राम सभा की जमीनों पर बसे हुए और काबिज लोगों को बेदखल न किया जाए। उस पर खेत मजदूरों को मालिकाना हक दिया जाए। 10 -- सभी खेत मजदूरों को पक्का आवास के लिए 15 डिसमिल जमीन देने के साथ ही आवास के लिए 05? लाख रुपए दिया जाए। 11 -- सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को कृषि के लिए पर्याप्त जमीन आवंटित किया जाये। 12 -- मर्जर, पेयरिंग और बन्द किए जा रहे प्राथमिक विद्यालयों पर अविलम्ब रोक लगाया जाए। 13 -- स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्व विद्यालयों में पिछड़े, दलितों, आदिवासियों पर किये जा रहे भेदभाव पर रोक लगाने के साथ विश्वविद्यालय गाइड लाइन्स को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। 14--- विंध्य कैमूर पर्वत मालाओं के मध्य स्थित 'आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र' में छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 'कैमूर आदिवासी विश्वविद्यालय' की स्थापना कराई जाए।15 --- जनपद सोनभद्र में स्थापित सभी कल कारखानों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के साथ रोजगार दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए।कार्यक्रम के समापन के अंत में कार्यकर्ताओं ने लखनऊ कोचिंग सेंटर हादसे पर दुःख जताते हुए दो मिनट का मौन रख मृतक किशोरों के प्रति शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान प्रमुख रूप कामरेड आर के शर्मा, कामरेड बसावन गुप्ता, कामरेड अमरनाथ बिंद, कामरेड रामभजन कुशवाहा, कामरेड नन्दू यादव, कामरेड नागेन्द्र कुमार, राम सुरत खरवार, शंभू खरवार, राम जतन खरवार, लालती देवी, हिरकुंवर, ऋतु कुमारी, देवकुमारी, संगीता, राजकुंवर, फुलबसिया, मोहरमानिया, महेंद्र सिंह, राजाराम, बुद्धि राम खरवार, जगरनाथ बैगा, कमला प्रसाद, शिव प्रसाद, सुरेंद्र कुशवाहा, रामधनी व धचूराम आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता कामरेड राम रक्षा जी ने और संचालन कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा ने किया।

जनपद सोनभद्र पुलिस एवं एएनटीएफ लखनऊ यूनिट को मिली बड़ी सफलता, अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

08 कुन्तल 684 ग्राम अवैध गांजा, एक डीसीएम, एक कार, 06 मोबाइल फोन, 02 आईफोन व नकदी बरामद (कुल अनुमानित कीमत लगभग 01 करोड़ 16 लाख रुपये) 06 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध, अपराधियों तथा अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज के कुशल नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस एवं एएनटीएफ लखनऊ यूनिट को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। संयुक्त टीम द्वारा अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 21/22.06.2026 की रात्रि में एएनटीएफ लखनऊ यूनिट को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि उड़ीसा से भारी मात्रा में अवैध गांजा डीसीएम वाहन के माध्यम से उत्तर प्रदेश लाया जा रहा है तथा तस्करों द्वारा एक अन्य चारपहिया वाहन से पुलिस की रेकी की जा रही है। सूचना पर एएनटीएफ लखनऊ यूनिट एवं थाना रॉबर्ट्सगंज की चौकी सुकृत पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चहेलवा बैजू बाबा मंदिर के पास घेराबंदी कर एक सियाज कार एवं एक डीसीएम वाहन को रोककर जांच की गई। पूछताछ एवं विधिक कार्यवाही के उपरान्त डीसीएम वाहन की तलाशी ली गई, जिसमें जड़ी-बूटी की बोरियों के बीच छिपाकर रखा गया कुल 08 कुन्तल 684 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 80 लाख 60 हजार रुपये है। मौके से 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। कृत कार्यवाही-बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 525/2026, धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। बरामद 08 कुन्तल 684 ग्राम अवैध गांजा, एक डीसीएम वाहन, एक सियाज कार, 06 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 02 आईफोन तथा रु6,040/- नगद को पुलिस कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। साथ ही तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं नेटवर्क के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा रही है। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे एक संगठित अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह के सदस्य हैं तथा काफी समय से उड़ीसा से अवैध गांजा खरीदकर सुल्तानपुर एवं उसके आसपास के जनपदों में आपूर्ति करते आ रहे हैं। अभियुक्त अंकित सिंह एवं रोहित कुमार सिंह इस तस्करी नेटवर्क का संचालन करते थे, जबकि सोहित सिंह, देवेन्द्र सिंह, सूरज कुमार एवं सिद्धार्थ सिंह परिवहन, निगरानी एवं सप्लाई कार्य में सहयोग करते थे। अभियुक्तों ने बताया कि बरामद गांजे की वर्तमान खेप उड़ीसा के बलांगीर क्षेत्र से लगभग 20 लाख रुपये में खरीदी गई थी। गांजे को डीसीएम वाहन में लदी जड़ी-बूटी की बोरियों के बीच छिपाकर रखा गया था, जिससे चेकिंग के दौरान संदेह न हो तथा आवश्यकता पड़ने पर जड़ी-बूटी के वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों को भ्रमित किया जा सके। तस्करी के दौरान एक सियाज कार के माध्यम से आगे-पीछे चलकर पुलिस की गतिविधियों एवं चेकिंग की रेकी भी की जा रही थी। पूछताछ में अभियुक्तों ने यह भी बताया कि बरामद गांजे की खेप सीतापुर निवासी अतुल सिंह को पहुंचाई जानी थी। उड़ीसा में गांजा उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को वे 'दादा' नाम से जानते हैं, जिससे उनका सम्पर्क व्हाट्सएप के माध्यम से होता था। गिरोह के सदस्य पहचान छिपाने एवं गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से लगातार मोबाइल नम्बर एवं सिम कार्ड बदलते रहते थे। मुख्य सरगना रोहित सिंह ने बताया कि गांजे की खेप को सियाज कार से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के माध्यम से आगरा तक पहुंचाया जाता था, जहां सितापुर निवासी अतुल सिंह द्वारा बताए गए व्यक्तियों को इसकी आपूर्ति कर दी जाती थी। अभियुक्तों से प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. अंकित सिंह पुत्र रामप्रकाश सिंह, उम्र करीब 30 वर्ष, निवासी ग्राम तेरये, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। 2. रोहित कुमार सिंह पुत्र स्व0 रामप्रकाश सिंह, उम्र करीब 35 वर्ष, निवासी ग्राम तेरये, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। 3. सोहित सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह, उम्र करीब 23 वर्ष, निवासी बरुआ सकरवारी, थाना दोस्तपुर, जनपद सुल्तानपुर। 4. देवेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्रीनाथ सिंह, उम्र करीब 40 वर्ष, निवासी मीरपुर सरैया, थाना मोतीगरपुर, जनपद सुल्तानपुर। 5. सूरज कुमार पुत्र स्व0 रोशन लाल, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी ग्राम भीमी, थाना अमेठी, जनपद अमेठी। 6. सिद्धार्थ सिंह पुत्र अवधेश सिंह, उम्र करीब 23 वर्ष, निवासी ग्राम जासापारा, थाना गोसाईगंज, जनपद सुल्तानपुर। बरामदगी का विवरण- 1. 08 कुन्तल 684 ग्राम अवैध गांजा (अनुमानित कीमत लगभग 80 लाख 60 हजार रुपये) 2. एक अदद डीसीएम वाहन संख्या यूपी44सीटी7780, 3. एक अदद सियाज कार संख्या यूपी14सीएस3044, 4. 06 अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन। 5. 02 अदद आईफोन। 6. रु6,040/- नगद। (उपरोक्त बरामदगी की कुल अनुमानित कीमत लगभग 01 करोड़ 16 लाख रुपये) आपराधिक इतिहास- अभियुक्त सूरज कुमार का आपराधिक इतिहास– 1. मु0अ0सं0 56/2019 धारा 120-बी, 379, 411 भादवि, थाना जीआरपी बांदा, जनपद जीआरपी अनुभाग झांसी। 2. मु0अ0सं0 231/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट व धारा 120-बी, 420, 506 भादवि, थाना कोतवाली सिटी, जनपद प्रतापगढ़। 3. मु0अ0सं0 479/2020 धारा 120-बी, 147, 148, 149, 302, 307, 504, 506 भादवि, थाना गोसाईगंज, जनपद सुल्तानपुर। 4. मु0अ0सं0 06/2022 धारा 406, 411, 417, 419, 420 भादवि, थाना कोतवाली सिटी, जनपद सुल्तानपुर। 5. मु0अ0सं0 58/2022 धारा 411, 417, 419, 420 भादवि, थाना कोतवाली सिटी, जनपद सुल्तानपुर। 6. मु0अ0सं0 65/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना कोतवाली सिटी, जनपद सुल्तानपुर। 7. मु0अ0सं0 117/2022 धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट, थाना कोतवाली सिटी, जनपद सुल्तानपुर। 8. मु0अ0सं0 442/2020 धारा 392, 411 भादवि, थाना कोतवाली देहात, जनपद सुल्तानपुर। 9. मु0अ0सं0 478/2020 धारा 307 भादवि, थाना कोतवाली देहात, जनपद सुल्तानपुर। 10. मु0अ0सं0 481/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना कोतवाली देहात, जनपद सुल्तानपुर। 11. मु0अ0सं0 547/2021 धारा 379, 411, 420 भादवि, थाना कोतवाली देहात, जनपद सुल्तानपुर। 12. मु0अ0सं0 551/2021 धारा 420 भादवि, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। 13. मु0अ0सं0 59/2020 धारा 147, 148, 149, 323, 452, 504, 506 भादवि, थाना पिपरपुर, जनपद अमेठी। 14. मु0अ0सं0 187/2019 धारा 34, 379, 411, 413, 419, 420 भादवि, थाना शिवरतनगंज, जनपद अमेठी। अभियुक्त रोहित कुमार सिंह का आपराधिक इतिहास– 1. मु0अ0सं0 404/2026 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम, एंटी पावर थेफ्ट थाना, जनपद सुल्तानपुर। 2. मु0अ0सं0 748/2019 धारा 302 भादवि, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। 3. मु0अ0सं0 559/2019 धारा 323, 504, 506 भादवि, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। 4. मु0अ0सं0 758/2019 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। अभियुक्त अंकित सिंह का आपराधिक इतिहास– 1. मु0अ0सं0 559/2019 धारा 323, 504, 506 भादवि, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। 2. मु0अ0सं0 758/2019 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर। गिरफ्तार/अनावरण करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक रामस्वरुप वर्मा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, एएनटीएफ लखनऊ। 3. हे0का0 दिनेश कुमार सिंह, एएनटीएफ लखनऊ। 4. हे0का0 संगम पटेल, एएनटीएफ लखनऊ। 5. हे0का0 खालिद खां, एएनटीएफ लखनऊ। 6. हे0का0 राजेश कुमार यादव, एएनटीएफ लखनऊ। 7. का0 राजन कुमार, एएनटीएफ लखनऊ। 8. उ0नि0 मानवेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी सुकृत, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 9. हे0का0 भरत यादव, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 10. का0 राम प्रताप सिंह, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 11. का0 सुनील कुमार, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र।

मेसी के फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा 18 गोल, जर्मनी के क्लोजा का रिकॉर्ड तोड़ा, अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने पहले अपना 17वां गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजा (16 गोल) का रिकॉर्ड तोड़ा और फिर मैच के आखिरी में एक और गोल कर इसे 18 तक पहुंचा दिया।

मेसी ने डलास स्टेडियम में 39वें मिनट में फील्ड गोल लगाकर इतिहास रचा। इसके बाद इंजरी टाइम (95वें मिनट) में उन्होंने दूसरा गोल दागकर अर्जेंटीना की 2-0 की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ-32 में भी जगह बना ली। 38 साल के मेसी ने पिछले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। मौजूदा टूर्नामेंट में उनके सबसे ज्यादा 5 गोल हो गए हैं। मेसी के बाद 3 गोल के साथ जर्मनी के डेनिज उंडाव हैं। 9वें मिनट में पेनल्टी चूके-मेसी के पास नौवें मिनट में ही रिकॉर्ड बनाने का मौका था। लॉटारो मार्टिनेज पर ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों के फाउल के बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी शॉट को पोस्ट के बाहर मार बैठे। इसके साथ ही वह वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा तीन पेनल्टी मिस करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। इससे पहले घाना के असामोआ ग्यान ने दो पेनल्टी मिस की थीं। पेनल्टी चूकने के बाद 18वें मिनट में मेसी को एक और मौका मिला, लेकिन ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों ने शॉट ब्लॉक कर दिया। ऑस्ट्रिया के गोलकीपर डेविड अलाबा ने भी एक मौके पर गोललाइन के पास शानदार बचाव किया। 39वें मिनट में तोड़ा क्लोजा का रिकॉर्ड-39वें मिनट में अर्जेंटीना के थियागो

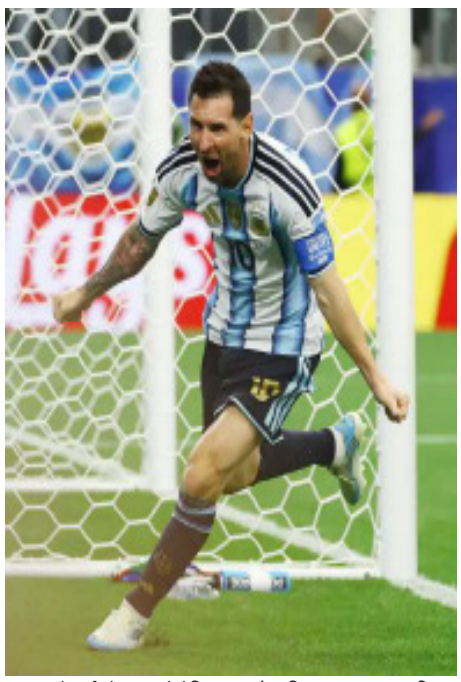

अल्माडा ने बाईं ओर फाकुंडो मेडिना को पास दिया। मेडिना ने गेंद बॉक्स के किनारे खड़े मेसी तक पहुंचाई और कप्तान ने शानदार लेफ्ट फुटेड शॉट लगाकर गेंद को निचले कोने में पहुंचा दिया। यह मेसी का वर्ल्ड कप में 17वां गोल था, जिसके साथ उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजा को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इंजरी टाइम में दूसरा गोल-मैच के 95वें मिनट में अर्जेंटीना ने काउंटर अटैक किया। स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का शॉट बच गया, लेकिन रिबाउंड पर मेसी ने दो डिफेंडरों के बीच से गेंद गोल में पहुंचा दी। 90+5वें मिनट में आया यह गोल उनका मैच का दूसरा और टूर्नामेंट का पांचवां गोल था। लगातार 6 वर्ल्ड कप मैचों में गोल-मेसी अब लगातार 6 वर्ल्ड कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने फ्रांस के जस्ट फोंटेन और ब्राजील के जायरजिन्हो के रिकॉर्ड की बराबरी की। अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी-मेसी ने पांच दिन पहले अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 की जीत में हैट्रिक लगाई थी। उन्होंने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे थे। यह वर्ल्ड कप में उनके करियर की पहली हैट्रिक थी। इसी के साथ वह वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। उन्होंने 2018 वर्ल्ड कप में 33 साल की उम्र में हैट्रिक लगाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड तोड़ा था। मेसी के नाम अब 11 इंटरनेशनल हैट्रिक हैं। 20 साल पहले किया था वर्ल्ड कप डेब्यू-मेसी ने 18 साल की उम्र में 16 जून 2006 को सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ अपना पहला वर्ल्ड कप मैच खेला था और उसी मुकाबले में पहला वर्ल्ड कप गोल भी किया था। 20 साल बाद वह वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे सफल गोल स्कोरर बन चुके हैं। मेसी अपने करियर का रिकॉर्ड छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। वह फुटबॉल इतिहास के पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 6 वर्ल्ड कप खेले हैं। उनके नाम वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 28 मैच खेलने का रिकॉर्ड भी है। पिता की बीमारी के बीच खेल रहे-अल्जीरिया के खिलाफ पहला गोल करने के बाद मेसी भावुक हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। बाद में परिवार ने बताया कि उनके पिता जॉर्ज मेसी एक अज्ञात बीमारी का इलाज करा रहे हैं। मैच के बाद मेसी ने कहा था कि वह मैदान के बाहर कुछ मुश्किल दिनों से गुजर रहे थे।

वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया की 3 नंबर जर्सी मिली, बोला- खुशी बयां करने के लिए शब्द नहीं, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना

स्पोर्ट्स डेस्क। वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। बीसीसीआई की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे। सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छूए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया। सूर्यवंशी बोले- आज वह सपना पूरा हो गया-'इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है।' सूर्यवंशी पहली बार नेशनल टीम में-15 साल के सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। देश की नेशनल टीम में सिलेक्ट होने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है और इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए

भारतीय टी-20 टीम-श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव। सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद-आयरलैंड के बेलफास्ट में 26 या 28 जून को होने वाले मैच से वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। अगर वे आयरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, तो वे 15 साल की उम्र में भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा इंटरनेशनल क्रिकेटर बन जाएंगे। ऐसा होने पर वे सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने सूर्यवंशी-सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। सूर्यवंशी ने सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने आईपीएल 2025 में 23 साल 237 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारत के सामने सीरीज में ब्रूक होंगे इंग्लैंड के कप्तान, कोल्स को पहली बार टीम में मौका, आयरलैंड की टीम भी घोषित

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से पहले आयरलैंड और इंग्लैंड ने अपनी-अपनी टीमों का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। टीम में 22 साल के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को भी पहली बार शामिल किया गया है। आयरलैंड ने विकेटकीपर बल्लेबाज लॉरकन टकर को टी-20 टीम का नया कप्तान बनाया है। 29 साल के टकर इस साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद कप्तानी छोड़ने वाले पॉल स्टर्लिंग की जगह लेंगे।उनका पहला असाइनमेंट 26 और 28 जून को बेलफास्ट के स्टॉर्मोन्ट मैदान पर भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टी-20 सीरीज होगी। आयरलैंड के 5 बॉलर चोटिल:- भारत सीरीज से पहले आयरलैंड की टीम चोटों से जूझ रही है। टीम के पांच प्रमुख तेज गेंदबाज जोश लिटिल (स्ट्रेस फ्रैक्चर), मार्क अडेयर (एब्डॉमिनल इंजरी), कर्टिस कैंफर (हाथ में फ्रैक्चर), बैरी मैकार्थी (लिगमेंट इंजरी) और जॉर्डन नील (कंधा व पैर) चोटिल होकर बाहर हैं। स्टर्लिंग चोट के कारण टीम से बाहर हैं। टकर इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप में भी स्टर्लिंग की

विल्सन ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। तेज गेंदबाज जय मूंद्रा और मैट हॉलार्ड आयरलैंड के लिए किसी भी फॉर्मेट में पहला मैच खेल सकते हैं। लियाम मैकार्थी भी सिर्फ अपना दूसरा टी-20 इंटरनेशनल खेलेंगे। इसके अलावा लेग स्पिन ऑलराउंडर गेविन हाेए को भी पहली बार

स्टीफन डोहेनी को सैम टॉपिंग की जगह टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड ने जेम्स कोल्स को पहली बार बुलाया-इंग्लैंड ने 1 जुलाई से शुरू होने वाली भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित की है। कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को पहली बार मौका मिला है।कोल्स हाल में ससेक्स, फ्रेंचाइजी क्रिकेट और इंग्लैंड लायंस के स्पिरिट ने कोल्स को 3.90 लाख पाउंड (करीब 4.88 करोड़ रुपए) में खरीदा था। वे टूर्नामेंट के सबसे महंगे प्लेयर हैं। बटलर बरकरार, ओवरटन और कार्स बाहर-इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली टीम के खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। जोस बटलर और 36 साल के स्पिनर लियाम डॉसन को फिर मौका मिला है। वहीं जॉर्डन कॉक्स, सन्नी बेकर और साकिब महमूद की वापसी हुई है। जेमी ओवरटन (जांघ की चोट) और ब्रायडन कार्स (हाथ की चोट) चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बेन डकेट को टीम से बाहर रखा गया है। उनके अलावा रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जॉर्डन कॉक्स और जोश टंग को चुना गया है। भारत के खिलाफ आयरलैंड की टी-20 टीम

गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। छह नए चेहरे, युवा खिलाड़ियों को मौका-आयरलैंड ने 14 सदस्यीय टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल टी-20 टीम में शामिल किया गया है। उन्हें बेन व्हाइट की जगह मौका मिला है। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज क्रेग यंग को बाहर रखा गया है। टॉप ऑर्डर के बैटर लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। वह बाएं हाथ के स्पिनर हैं और मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं। इंग्लैंड की डोमेस्टिक लीग द हंड्रेड ऑक्शन में लंदन स्पिरिट ने कोल्स को 3.90 लाख पाउंड (करीब 4.88 करोड़ रुपए) में खरीदा था। वे टूर्नामेंट के सबसे महंगे प्लेयर हैं। बटलर बरकरार, ओवरटन और कार्स बाहर-इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली टीम के खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। जोस बटलर और 36 साल के स्पिनर लियाम डॉसन को फिर मौका मिला है। वहीं जॉर्डन कॉक्स, सन्नी बेकर और साकिब महमूद की वापसी हुई है। जेमी ओवरटन (जांघ की चोट) और ब्रायडन कार्स (हाथ की चोट) चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बेन डकेट को टीम से बाहर रखा गया है। उनके अलावा रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जॉर्डन कॉक्स और जोश टंग को चुना गया है। भारत के खिलाफ आयरलैंड की टी-20 टीम-हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सन्नी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर (विकेटकीपर), जेम्स कोल्स, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम-श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

जामुन खाने के फायदे और खाने का सही तरीका- इन चीजों के साथ न खाएं जामुन, बच्चों को ऐसे ही न दें

नयी दिल्ली। बरसात आते ही बाजार में जामुन की बहार आ जाती है। खट्टे-मीठे स्वाद वाला यह गहरे बैंगनी रंग का फल पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसमें फाइबर, आयरन, विटामिन सी और कई पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने, पाचन सुधारने, इम्यूनिटी मजबूत बनाने और हार्ट हेल्थ बेहतर रखने में मदद करता है। प्राचीन हिंदू, बौद्ध और जैन ग्रंथों में भारतीय उपमहाद्वीप को 'जम्बूद्वीप' कहा गया है, यानी जामुन के वृक्षों की भूमि। यानी जामुन का रिश्ता हमारी संस्कृति और इतिहास से भी है। हालांकि जामुन के फायदे तभी मिलते हैं, जब इसे सही समय, सही मात्रा और सही तरीके से खाया जाए। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे जामुन की और जानेंगे कि जामुन खाने का सही तरीका क्या है? इसे कब और कितना खाना चाहिए? किन चीजों के साथ खाने से बचना चाहिए? समझेंगे विषय को एक्सपर्ट- डॉ. अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- जामुन खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- जामुन खाने का सही तरीका पॉइंटर्स में देखिए- पके हुए, ताजे और साफ जामुन चुनें।

खाने से पहले अच्छी तरह धो लें। धीरे-धीरे चबाकर खाएं ताकि पाचन बेहतर हो। अगर पहली बार खा रहे हैं, तो कम मात्रा से शुरुआत करें। सवाल- जामुन खाने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है? जवाब- जामुन खाने का सबसे सही समय सुबह का होता है। खासकर नाश्ते के बाद या दोपहर के खाने से पहले यानी मिड-मॉर्निंग टाइम। इस समय डाइजेस्टिव सिस्टम सबसे ज्यादा एक्टिव रहता है। इससे जामुन में मौजूद पोषक तत्व जैसे फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन्स शरीर में अच्छी तरह से एब्जॉर्ब हो पाते हैं। सवाल- क्या खाली पेट जामुन खा सकते हैं? जवाब- नहीं, जामुन खाली पेट नहीं खाना चाहिए। इसका स्वाद थोड़ा कसैला (थोड़ा खट्टा-कड़वा) होता है। इससे पेट में गैस, भारीपन या मरोड़ जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। सवाल- जामुन खाने के बाद कितनी देर तक कुछ नहीं खाना चाहिए? जवाब- जामुन खाने के बाद कम-से-कम 20-30 मिनट तक कुछ नहीं खाना चाहिए, जिससे यह आसानी से पच सके और इसके पोषक तत्व ठीक से अवशोषित हो सकें। सवाल- क्या जामुन को नमक लगाकर खाना सही है? जवाब- हां, चुटकी भर काला नमक के साथ जामुन खा सकते हैं, लेकिन बहुत ज्यादा नमक न डालें। सवाल- क्या जामुन को छिलके समेत खाना चाहिए? जवाब- हां, जामुन का छिलका ही सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स (जैसे एंथोसायनिन) और फाइबर होते हैं। ये तत्व ब्लड शुगर कंट्रोल करने, पाचन सुधारने और शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। सवाल- एक स्वस्थ व्यक्ति एक दिन में कितना जामुन खा सकता है? जवाब- ये उम्र, वजन और सेहत पर निर्भर करता है। एक स्वस्थ व्यक्ति एक दिन में

10 से 15 जामुन तक खा सकता है। सवाल- बच्चे एक दिन में कितना जामुन खा सकते हैं? जवाब- यह उम्र और पाचन क्षमता पर निर्भर करता है। आमतौर पर 5 साल से बड़े बच्चों को जामुन दे सकते हैं। शुरुआत में 3 से 4 जामुन दें, ताकि शरीर की प्रतिक्रिया समझी जा सके। बच्चे दिन में 50 से 100 ग्राम जामुन। खा सकते हैं। मात्रा उम्र और पाचन क्षमता पर निर्भर है। वयस्कों को भी 200 ग्राम से ज्यादा जामुन नहीं खाना चाहिए। अधिक सेवन से पेट दर्द, गैस या अपच हो सकती है।सवाल- डायबिटीज के पेशेंट एक दिन में कितना जामुन खा सकते हैं? जवाब- डायबिटिक लोगों के लिए 8 से 10 जामुन की मात्रा सेफ मानी जाती है। जामुन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसलिए यह ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ाता है। हालांकि ज्यादा मात्रा में लेने पर ब्लड शुगर बहुत कम (हाइपोग्लाइसीमिया) भी हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में खाना चाहिए। सवाल- क्या बहुत ज्यादा जामुन खाने से कोई नुकसान भी हो सकता है? जवाब- जामुन हेल्दी फल है, लेकिन इसे ज्यादा मात्रा में खाने से कुछ समस्याएं हो सकती हैं।सभी साइड इफेक्ट्स देखिए-सवाल- किन फलों के साथ जामुन खाया जा सकता है? जवाब- जामुन को मीठे फलों के साथ मिलाकर खाया जा सकता है। ये पाचन के लिए बेहतर होता है। इसे बहुत ज्यादा खट्टे फल (जैसे संतरा, नींबू) के साथ नहीं खाना चाहिए। सवाल- क्या जामुन को सलाद में मिला सकते हैं? जवाब- हां, जामुन को सलाद में मिलाकर खा सकते हैं। इसका खट्टा-मीठा और हल्का कसैला स्वाद सलाद में फाइबर की मात्रा भी बढ़ाता है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है। सवाल- क्या जामुन के साथ नट्स खाना ठीक है? जवाब- हां, नट्स में मौजूद हेल्दी फैट और प्रोटीन जामुन के नेचुरल शुगर (फ्रुक्टोज) के एब्जॉर्बशन को धीमा कर देता है। इससे ब्लड शुगर स्पाइक नहीं होता। यह कॉम्बिनेशन सैटायटी बढ़ाता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा रहता है और बार-बार भूख कम लगती है। सवाल- क्या जामुन को मिंट, काला नमक या चाट मसाले के साथ खाना सुरक्षित है? जवाब- हां, जामुन को मिंट (पुदीना), काला नमक या चाट मसाले के साथ खाना सेफ है। पुदीना और काला नमक स्वाद बढ़ाने के साथ पाचन में भी मदद कर सकते हैं। चाट मसाला और काला नमक में सोडियम ज्यादा होता है, इसलिए ज्यादा मात्रा में न डालें। सवाल- जामुन किन चीजों के साथ नहीं खाना चाहिए? जवाब- जामुन पोषक तत्वों से भरपूर है, लेकिन कुछ फूड कॉम्बिनेशन ऐसे होते हैं, जिनके साथ इसे खाने से पाचन में गड़बड़ी हो सकती है। जामुन के साथ न खाएं ये चीजें-अचार, ठंडा या ज्यादा पानी, दही, ज्यादा नमक, खट्टे फल.सवाल- क्या जामुन खाने के तुरंत बाद दूध पीना चाहिए? जवाब- नहीं, जामुन खाने के तुरंत बाद दूध पीना सही नहीं माना जाता। जामुन खाने के बाद कम-से-कम 4 घंटे बाद ही दूध पिएं। सवाल- जामुन और दूध का कॉम्बिनेशन नुकसानदायक क्यों है? जवाब- जामुन की तासीर खट्टी और कसैली होती है, जबकि दूध का स्वभाव अलग होता है। जब दोनों को एक साथ या तुरंत बाद लिया जाता है, तो जामुन में मौजूद एसिड दूध के प्रोटीन को जल्दी जमा सकता है। इससे कुछ लोगों को पेट ब्लोटिंग, गैस, अपच, पेट दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इसलिए जामुन खाने के कम-से-कम 4 घंटे बाद दूध पीने की सलाह दी जाती है। सवाल- क्या जामुन खाने के बाद दही खाना सही है? जवाब- नहीं, जामुन खाने के बाद दही नहीं खाना चाहिए। जामुन और दही दोनों में अलग-अलग एंजाइम होते हैं और इनका एक साथ सेवन डाइजेस्टिव सिस्टम को बिगाड़ सकता है । सवाल- जामुन के साथ खट्टे फल खाने चाहिए या नहीं? जवाब- नहीं, जामुन खुद हल्का खट्टा होता है। अगर इसके साथ संतरा, नींबू जैसे खट्टे फल खाने से पेट में एसिडिटी या जलन बढ़ सकती है। सवाल- जामुन खाने के बाद पानी पीना चाहिए या नहीं? जवाब- नहीं, जामुन खाने के बाद 20-30 मिनट का गैप रखें, फिर पानी पिएं। तुरंत पानी पीने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जामुन खाने के बाद पानी पीने के नुकसान पेट दर्द, भारीपन, खांसी, गैस या अपच, गले में खराश, गले में जलन। सवाल- जामुन खाने के तुरंत बाद भारी भोजन क्यों नहीं करना चाहिए? जवाब- जामुन हल्का और जल्दी पचने वाला फल है, जबकि भारी खाना (तला-भुना या ज्यादा फैट/प्रोटीन वाला) धीरे पचता है। ऐसे में दोनों साथ होने पर पाचन की प्रक्रिया गड़बड़ हो सकती है। इससे गैस, ब्लोटिंग या पेट में भारीपन महसूस हो सकता है। बेहतर है कि जामुन खाने के बाद कम-से-कम 30 मिनट का गैप रखकर ही भारी भोजन करें। सवाल- क्या जामुन और शराब का कॉम्बिनेशन नुकसान पहुंचा सकता है? जवाब- हां, शराब गट लाइनिंग को इरिटेट करती है और जामुन का खट्टा-कसैला स्वभाव इस असर को बढ़ा सकता है। साथ ही जामुन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जबकि शराब शुगर लेवल को अस्थिर कर सकती है। इसलिए दोनों को साथ नहीं लेना चाहिए। सवाल- क्या जामुन खाने के बाद चाय या कॉफी पीना ठीक है? जवाब- नहीं, जामुन में मौजूद टैनिन्स और एंटीऑक्सिडेंट्स, चाय/कॉफी के कम्पाउंड्स (जैसे कैफीन और टैनिन) के साथ मिलकर कुछ लोगों में पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। जामुन से जुड़ी 10 जरूरी बातें हैं।

इन्हें हमेशा ध्यान रखना चाहिए- जामुन के बारे में 9 जरूरी बातें-अच्छे से धोकर खाएं। खाली पेट न खाएं। एक बार में ज्यादा न खाएं। खाने के बाद पानी न पिएं। पेट सेंसिटिव हो तो कम खाएं। बच्चों को बीज निकालकर दें। दूध पीने के बाद न खाएं। जामुन खराब हो तो न खाएं। कोई बीमारी हो तो, डॉक्टर से पूछकर खाएं।सवाल- जिन चीजों के साथ जामुन खाने-पीने की मनाही है, अगर गलती से वो खा लें तो क्या नुकसान होगा? जवाब- इनका कॉम्बिनेशन पेट में गैस, अपच, एसिडिटी या एलर्जी जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है.अगर इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, तो जामुन ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसलिए इस मानसून जामुन का स्वाद भी लें और इसके हेल्थ बेनिफिट्स भी पाएं।

लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई

से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही हैं और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी 307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब हैं- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।उचित कीमत पर परिवहन देने से ये प्रवासी कर्मचारी अपने परिवार से मिलने वापस आएंगे और अपनी कमाई हुई राशि यहीं खर्च भी करेंगे। जब वे इतना अधिक खर्च परिवहन पर ही कर देंगे तो दूसरी चीजों पर उदारता के साथ खर्च नहीं कर पाएंगे। इस कारण राज्य आय से वंचित रहता है और उसकी अर्थव्यवस्था गति नहीं पकड़ पाती। फंडा यह है कि प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर उचित मूल्य का परिवहन व्यवसाय करना राज्यों की आय बढ़ाता है और स्थानीय लोगों को उत्पादक बने रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि होती है। (एन. रघुरामन)

पेट्स में हीलिंग पावर होती है; हमारे साथ रहने वाले जानवर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं

वह किसी तालाब के किनारे बैठी अपने ख्यालों में डूबी थी। अचानक पानी में चार घुड़सवारों की परछाइयां दिखाई देती हैं। वह तत्काल मुड़कर उठती है और चिल्लाती है- 'चल धन्नो!' और घोड़ी भी तुरंत मुड़कर उसकी ओर

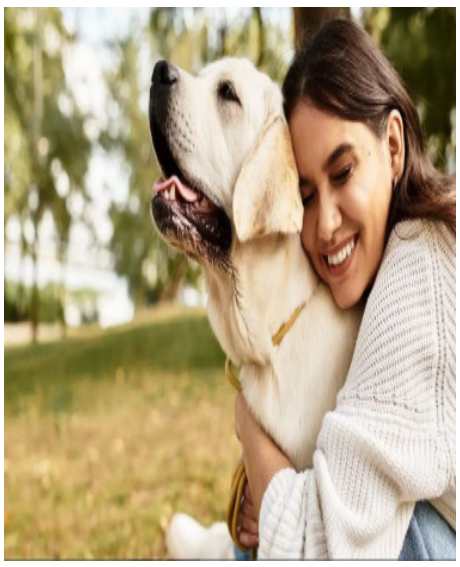

देखती है, मानो वह अपनी मालकिन पर मंडरा रहे खतरे को समझ गई हो। उसके तांगे पर चढ़ने से पहले ही धन्नो रफ्तार पकड़ने लगती है। तांगे पर चढ़ते ही वह कहती है- 'भाग धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है...।' 51 वर्ष पुरानी फिल्म 'शोले' का यह दृश्य अधिकांश लोगों को याद होगा। कुछ लोगों ने शायद यह भी सोचा हो कि भला कोई घोड़ी खतरे को कैसे भांप सकती है। लेकिन मुझे इस दृश्य पर कभी संदेह नहीं हुआ, क्योंकि मैंने ऐसे लेख पढ़े हैं और बुजुर्गों से ऐसी कहानियां सुनी हैं जिनमें बताया गया है कि मनुष्यों के साथ रहने वाले पशु न केवल अपने मालिक की हर बात समझ लेते हैं, बल्कि वे हमारे बढ़े हुए रक्तचाप को भी घटा सकते हैं, हमारी चिंताओं को शांत कर सकते हैं और कुछ रोगियों में जीने की इच्छा तक जगा सकते हैं। किंतु मैंने इन प्रभावों को स्वयं तब तक नहीं देखा था, जब तक कि मेरी मां की मुलाकात 'सीसू' से नहीं हुई। वह एक पालतू कुत्ता था, जिसे हमारे घर में आने की अनुमति प्राप्त थी। सीसू का परिचय देने से पहले मुझे यह तथ्य स्वीकारना होगा कि मैंने भी अपनी शादी में दहेज लिया था। जी हां, सीसू- जो मेरी शादी के समय आठ वर्ष का था- मेरी पत्नी के साथ 'दहेज' के रूप में हमारे घर आया था। सबसे दिलचस्प बात यह थी कि विदाई के समय वह कार की आगे वाली सीट पर बैठा था। नवविवाहित जोड़े की आरती होने से पहले ही वह घर के भीतर चला गया था। उसने घर के हर कोने को सूंघकर देखा, फिर बाहर आकर आरती के लिए सबसे आगे बैठ गया। पहले तिलक उसी के माथे पर लगाया गया और उसके बाद नवविवाहित जोड़े के माथे पर। यह दृश्य देखकर वहां उपस्थित सभी लोग हंसी से लोटपोट हो गए। मानो उसने घर का निरीक्षण कर अपनी स्वीकृति दे दी हो और मेरी पत्नी को संकेत किया हो कि यह घर उनके लिए सुरक्षित है। धीरे-धीरे हमारी रसोई की चर्चाएं भी सीसू की पसंद-नापसंद के इर्द-गिर्द घूमने लगीं। एक दिन मैंने अपनी मां को कहते सुना, सीसू को घी वाला डोसा पसंद है। जबकि यह विशेषाधिकार खुद हमें केवल रेस्तरां में ही नसीब हो पाता था। मुझे कभी जन्मदिन याद नहीं रहते थे, लेकिन एक दिन मेरी मां ने यह बताकर मुझे चौंका दिया कि उन्होंने सीसू के जन्मदिन पर 300 रुपये खर्च किए हैं। मैंने बहस करने की कोशिश की, किंतु दयालु हृदय वाली दृढ़निश्चयी मां के सामने मेरी एक न चली। जब मां व्रत रखती थीं, तब सीसू भी एक दाना तक नहीं खाता था। वह उनके साथ समीप के मंदिर तक जाता था और जब तक वे अपनी पूजा समाप्त नहीं कर लेतीं, तब तक शांति से उनकी प्रतीक्षा करता रहता था। जब कीमोथेरेपी के बाद वे तीन-चार दिनों के लिए टाटा मेमोरियल

हॉस्पिटल में भर्ती रहती थीं, तब भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सीसू के भोजन और उसकी तबीयत को लेकर ही रहती थी। जब हम कहते, 'वह खाना नहीं खा रहा है', तो वे कहतीं, 'उम्मीद है मैं सीसू से पहले नहीं मरूंगी।' कई बार हमें लगता था कि कैंसर की अंतिम अवस्था में होने के बावजूद सीसू के कारण ही उनमें जीवित रहने की इच्छा शेष थी। एक बार डॉक्टरों ने मुझसे कहा, 'वे दवाओं पर बेहतर प्रतिक्रिया दे रही हैं, क्योंकि वे घर लौटकर सीसू से मिलने के लिए उत्सुक हैं।' जैसे-जैसे उनकी सेहत बिगड़ने लगी, सीसू उनका स्थायी साथी बन गया। यदि हम उसका भोजन लेकर जाते, तो वह तब तक उसे नहीं खाता था जब तक मेरी मां उसे छूकर यह न कह दें, 'खा लो मेरे बच्चे।' वह हर समय उनके पास रहता था, और जहां उनके पैरों में दर्द होता, वहां अपना पंजा रख देता। जब कैंसर के कारण मेरी मां की पीठ में असहनीय पीड़ा होती, तो वह स्वयं भी खाना खाने से इंकार कर देता। मां के निधन से एक वर्ष पहले ही उसकी मृत्यु हो गई। उसके बाद जब भी मेरी मां सीसू से जुड़ी कहानियां सुनातीं, तो वे हमें मुस्कराने और हंसने पर तो मजबूर करती ही, किंतु उससे भी ज्यादा वे हमें रुला देतीं। फंडा यह है कि जब लोग कहते थे कि हमारे साथ रहने वाले जानवर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, तो मुझे कभी इसके लिए प्रमाण की आवश्यकता नहीं पड़ी। सीसू ने हमें पहले ही यह सिखा दिया था। एन. रघुरामन

सेहतमंद बने रहने के लिए आपको यह 'फीवर' होना जरूरी है!

इस रविवार हमारे कई बुजुर्गों ने भानु सप्तमी मनाई। यह भगवान सूर्य की पूजा का महत्वपूर्ण पर्व है। बुजुर्गों ने

समृद्धि, सौभाग्य और अच्छी सेहत की भी कामना की। लेकिन हमारे युवा, जो सेहतमंद रहना चाहते हैं, उन्हें प्रार्थना के साथ कोई न कोई खेल खेलना भी पसंद होता है। और नियमित तौर पर कोई खेल खेलने के लिए जरूरी है कि 30 की उम्र से पहले आपको उस खेल का फीवर हो जाए। अगर अब तक आपको ऐसा फीवर नहीं हुआ तो आपके लिए एक शानदार मौका 11 जून 2026 से शुरू हो रहा है। इसी दिन दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन शुरू होगा, जिसमें एक खिताब के लिए 48 टीमें, 3 मेजबान देशों में 108 मैच खेलेंगी।स्कीस साल पहले लियोनेल मैसी (अब 38) और क्रिस्टियानो रोनाल्डो (अब 41) शायद दुनिया के सबसे जाने-पहचाने एथलीट थे। दस साल पहले तो निश्चित ही थे और आज भी हैं। दोनों स्पोर्ट्स सेलेब्रिटीज की उस पीढ़ी का हिस्सा हैं, जो इतिहास में बेमिसाल है। हालांकि खेल जगत जानता है कि शायद यह उनका आखिरी विश्वकप होगा, लेकिन वे इस संभावना को भी खारिज नहीं करते कि इसी टूर्नामेंट से कुछ नए सितारे भी उभर सकते हैं। वो कोई पहले से स्थापित खिलाड़ी हो सकता है या कोई बिल्कुल नया चेहरा, जैसे 2006 में जर्मनी में मेसी और रोनाल्डो ने डेब्यू किया था। आइए, ऐसे संभावित चेहरों पर नजर डालते हैं। 1. एरलिंग हालेंड (25), नॉर्वेः अपने स्कूली दिनों से ही वे दुनिया की नजरों में हैं। वे गोल करते हैं, शारीरिक तौर पर प्रभावशाली हैं और कम बोलते हैं। वे लगभग रोनाल्डो जैसे हैं। 2. कीलियन एमबाप्पे (27), फ्रांसः फ्रांस के कप्तान हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे शर्मीले और पसंद किए जाने वाले मेसी तथा शांत रोनाल्डो के बीच की श्रेणी के हैं। वे किसी प्री-एमिनेंट स्टार जैसे हैं, जो दूसरों से आगे निकल कर अपने क्षेत्र की खास हस्ती बनेंगे। 3. जूड बेलिंगहैम (22), इंग्लैंडः वे मिडफील्ड के बिल्कुल लयबद्ध खिलाड़ी हैं। मूवी स्टार जैसे लुक वाले और टीम के सबसे भरोसेमंद प्लेयर हैं। 4. विनीसियस जूनियर (25), ब्राजीलः हर विश्व कप में खिताब जीतने के प्रयास के अतिरिक्त ब्राजील की यह जिम्मेदारी भी होती है कि वह खेल की दिशा बदलने में सक्षम खिलाड़ी भी पेश करे। पेले, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो और नेमार के बाद अब शायद विनीसियस वो सितारे हैं। 5. लेनार्ट कार्ल (18), जर्मनीः पिछले 12 साल से विश्व कप में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाए जर्मनी के लिए कार्ल शायद इस सूखे को खत्म कर सकते हैं। 6. लामिन यमाल (16), स्पेनः मैदान पर उनकी मौजूदगी बेहद रोमांच पैदा करती है। वे काफी हद तक मेसी जैसे हैं। 2024 की यूरोपीय चैम्पियनशिप में उन्होंने कमान संभाली और स्पेन को खिताब दिलाया। 7. गिलबर्टो मोरा (17), मेक्सिकोः विशेषज्ञों का अनुमान है कि उनमें रातोरात ग्लोबल सुपरस्टार बनने की क्षमता है, क्योंकि वे ऊर्जा से भरपूर हैं। इस मिडफील्ड ऑर्गेनाइजर की तुलना मेक्सिको के महान फुटबॉलर कुआउतेमोक ब्लांको से की जाती है, जो अपनी स्टिलनेस के लिए प्रख्यात थे। 8. ओस्मान डेम्बेले (29), फ्रांसः कई लोगों को उम्मीद है कि यह तेजतर्रार फुटबॉलर अपने साथी एमबाप्पे से भी बेहतर कर सकते हैं। बुकीज मानते हैं कि यदि ऐसा हुआ तो फ्रांस खिताब जीत सकता है। 9. एंड्रिक (19), ब्राजीलः अनाथालय से निकलकर विश्व कप तक पहुंचने का उनका सफर बेहद दिलचस्प है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी क्षमता फुटबॉल फैन्स को चौंका सकती है। 10. पाउ क्यूबार्सी (19), स्पेनः बेहतरीन डिफेंडर होने के साथ आकर्षक कद-काठी वाले क्यूबार्सी फुटबॉल को फैशन बना सकते हैं। 6 फीट लंबे और 40 वर्ष जैसी सूझबूझ रखने वाले क्यूबार्सी चमत्कार कर सकते हैं। फंडा यह है कि यदि आप 39 दिन का यह इवेंट देखेंगे तो मुझे पक्का भरोसा है कि यह आपके भीतर स्पोर्ट्स फीवर पैदा कर देगा। और यदि इसके बाद आप खेलना जारी रखते हैं तो यकीन मानिए आप सेहतमंद तो बने रहेंगे। एन. रघुरामन

क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर

दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने औजारों की खोजबीन की और एक घंटे बाद ट्रक फिर से चलने लगा। अब एक बोतल का ढक्कन उसका पहिया बन गया था और उसे आकर्षक बनाने के लिए उसमें एक सिल्वर डक्ट टेप भी जोड़ दी गई थी। मिया खुशी-खुशी वहां से लौट आई, लेकिन उसकी मां वहीं रही। उन्होंने पूछा- 'क्या आप एक अच्छा रेज्यूमे भी बना सकते हैं?' तीन दिन बाद मिया शिकायत लेकर आई कि बोतल के ढक्कन वाला नया पहिया जाम हो रहा है। इस बार उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया। सेवानिवृत्त शिक्षक अलग-अलग लोगों के रेज्यूमे की ग्रूफरीडिंग कर रहे थे। एक महिला बैग सिल रही थीं, जिन्होंने अतीत में यह काम किया था।अमेरिका के मिनेसोटा राज्य स्थित मेपल ग्रोव नामक इस कस्बे में कई लोगों को लगा कि जॉर्ज का दिमाग खराब हो गया है। वे एक-दूसरे से कहते कि भला कौन मुफ्त में चीजों की मरम्मत करता है? लेकिन जॉर्ज के पास इसकी एक वजह थी। उनकी दिवंगत पत्नी रूथ ने अपना जीवन जरूरतमंदों के कोट, घड़ियां आदि ठीक करने में बिताया था और वो लोगों को दिलासा भी देती थीं। वे कहती थीं कि 'चीजों को बर्बाद करना एक आदत है और दयालुता इलाज है।' फिर शिकायत आई! 'यह गैर-लाइसेंसी कारोबार है', एक इंस्पेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा। मेयर ने जॉर्ज को गैरेज बंद करने का आदेश दिया। अगली सुबह कस्बे के कोई 40 लोग जॉर्ज के लॉन में विरोध के बैनर और टूटी-फूटी चीजें लिए खड़े थे- 'चीजों ही नहीं, कानून की भी मरम्मत करो।' एक बैनर पर लिखा था- 'क्या दयालुता गैरकानूनी है?' जनता के दबाव में मेयर ने नरमी दिखाई और जॉर्ज को पुराने फायर हाउस में कुछ जगह दी। वालंटियर्स ने उसे पीले रंग से रंग दिया और उसे 'रूथ्स हब' नाम दिया। लोग वहां सिर्फ अपनी चीजें ठीक करवाने ही नहीं, बल्कि दूसरों से जुड़ने भी आते थे। प्लम्बर मरम्मत सिखाते थे तो किशोर सिलाई की कला सीखते थे। एक बेकर ने माइक्रोवेव की मरम्मत के ऐवज में कुछ मफिन्स दिए। शहर का कचरा 30फीसदी कम हो गया।आठ साल बाद मिया का एक पत्र आया, जो अब 16 साल की है और एक रोबोटिक्स लैब में इंटर्नशिप कर रही है। पत्र में लिखा था- 'आपने मुझे टूटी हुई चीजों को भी मूल्य देखना सिखाया। मैं सौर ऊर्जा से चलने वाला एक कृत्रिम हाथ बनाने की कोशिश कर रही हूं...' और उस पत्र में एक फुटनोट भी था- 'मेरा ट्रक अभी तक चल रहा है।

कठिन समय में लागत और संचालन खर्चों की कटौती पर विचार करना चाहिए

कृपया मेरी आदतों को मत कोसिए। मैं पुराने ख्यालों का आदमी हूं। विंडो शॉपिंग में भी मैं पहले प्राइस टैग देखता हूं, फिर प्रोडक्ट का मजा लेता हूं। पिछले हफ्ते मुंबई के घाटकोपर स्थित एक मॉल में किसी का इंतजार करते हुए मैं स्मार्ट बाजार में चला गया। दाखिल होते ही मेरा स्वागत किचन और बाथरूम से जुड़ी चीजों ने किया, जैसे फिनाइल, डिश वॉशिंग सोप, लिक्विड और अन्य डिटर्जेंट। मैंने फिनाइल की एक बोतल उठाई और कीमत देखकर चौंक गया। उस ब्रांडेड फिनाइल बोतल की कीमत 307 रुपए थी। मैंने तुरंत घर फोन कर पुरानी फिनाइल की बोतल पर छपी कीमत पूछी। पुरानी कीमत ने मुझे और बड़ा झटका दिया। वह 199 रुपए की ही थी। मैंने दिमाग में उन सभी सफाई उत्पादों की कीमतें नोट कर लीं, जिनके मुख्य घटक कच्चे तेल से मिलने वाले पेट्रोलियम केमिकल्स या नैफ्था से बनते हैं। उत्पादों से नजरें हटा कर फिर मैंने उस बड़े स्टोर में मौजूद लोगों को देखा। मैं ही नहीं, बल्कि महीने का राशन लेने आए ज्यादातर लोग कीमतों को लेकर हैरान थे। मैंने उनमें एक समान व्यवहार देखा। कीमतों में वृद्धि से बजट पर बढ़ते दबाव के कारण ज्यादातर ग्राहक अपने पसंदीदा ब्रांड को छोड़कर उसी शेल्फ पर रखे सस्ते विकल्प लेने को तैयार हैं। बढ़ती कीमतें हम मध्यमवर्गीयों के खर्च के तरीके को ही नहीं, बल्कि इस नजरिये को भी बदल रही हैं कि हम किस पर खर्च करना चाहते हैं। कम उम्र की महिलाएं और कम आय वाले ग्राहक ब्रांड लॉयल्टी छोड़ने के लिए ज्यादा तैयार दिखे। एक महिला अपने पति से कह रही थीं कि चूंकि नैफ्था से बनने वाले बायोडिग्रेडेबल बैग्स की कीमत दोगुनी हो गई है तो वे ऑनलाइन शॉपिंग में आने वाले पेपर बैग ही कचरे के लिए इस्तेमाल करेंगे। हालांकि पर्सनल केयर उत्पादों में बहुत कम लोग अपनी पसंद बदल रहे थे, लेकिन सफाई उत्पादों में लगभग सभी लोग कम चर्चित ब्रांड खरीदने से नहीं हिचक रहे थे। घर लौटने पर मेरी बात एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी के मालिक से हुई, जिनके मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज के साथ अन्य संस्थान भी हैं। मैंने हिचकते हुए अपनी यह मामूली-सी खोज उनसे साझा की। उनकी आवाज में ऐसा उत्साह दिखा, जैसे मैंने उनकी बड़ी समस्या का हल खोज लिया हो। उन्होंने मुझे होल्ड पर रखा और दूसरे फोन से फार्मेसी विभाग के प्रमुख को कॉल कर यूनिवर्सिटी में इस्तेमाल होने वाले फिनाइल और अन्य सफाई उत्पादों का विकल्प तैयार करने को कहा। दरअसल, होस्टल कैंटीन में इस्तेमाल होने वाले बर्तन धोने के पाउडर और लिक्विड सहित कई सफाई उत्पादों पर हर साल लाखों रुपए खर्च होते हैं। मैंने फार्मेसी विभाग के प्रमुख को यह सुझाव देते हुए सुना कि बड़े परिसरों में सोडियम सल्फेट, एसएलईएस (सोडियम लॉरिल ईथर सल्फेट) और पानी का मिश्रण काम आ सकता है। इसमें कीटाणुनाशक के रूप में आइसोप्रोपाइल अल्कोहल मिला दें तो फर्श जल्दी सूखता है और महंगे ब्रांडेड फिनाइल के बिना बैक्टीरिया भी मर जाते हैं। पाइन ऑइल, पानी और इमल्सीफायर को मिलाकर एक साधारण कीटाणुनाशक बनाया जा सकता है। इससे 307 रुपए से बहुत कम कीमत पर वही चिर-परिचित खुशबू और सफाई मिलती है। इससे मुझे अचानक अपना बचपन याद आ गया, जब हम रीठा इस्तेमाल करते थे, जो रासायनिक सर्फैक्टेंट्स का शत-प्रतिशत प्राकृतिक विकल्प है। हम बिना बीज वाले नींबू या नींबू के छिलकों को रीठा, विनेगर और सी-सॉल्ट के साथ उबाल कर चिकनाई हटाने वाला ताकतवर डिश वॉशिंग लिक्विड बनाते थे। मेरी मां सफेद विनेगर, पानी और बर्तन धोने के साबुन का थोड़ा-सा घोल मिलाकर किचन काउंटर, टाइल्स और फर्श साफ करने का असरदार स्प्रे बनाती थीं। फंडा यह है कि बड़े उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे जैसे सामान्य परिवारों को चलाने के खर्चे भी बढ़ते जा रहे हैं। हम सभी को इनमें कटौती कर बजट संतुलित रखने के तरीके खोजने होंगे। मुझे लिखकर बताइए कि आप अपना खर्च प्रबंधन कैसे करते हैं। एन. रघुरामन

एथेनॉल से पेट्रोल टैंक में जम रही काली परत, एवरेज भी घटा, सर्विसिंग का खर्च दोगुना,इंजन में लग रही जंग

नयी दिल्ली। विक्रम दिल्ली के पालिका भवन में काम करते हैं। तीन साल पहले पुरानी कार खरीदी। एक साल बाद ही कार के फ्यूल सिस्टम में दिक्कत आ गई। पता चला कि कार में सिर्फ

10फीसदी एथेनॉल (ई10) वाला पेट्रोल ही डाल सकते थे, लेकिन 20फीसदी एथेनॉल वाला, यानी ई20 फ्यूल डाल दिया गया। इसका असर कार के माइलेज पर भी दिख रहा है। पहले साल में कार की सर्विसिंग में 15-20 हजार रुपए खर्च हुए। अगले साल खर्च दोगुना हो गया। पालिका भवन में ही 22 साल के कुणाल कार रिपेयर कराने पहुंचे। वे कहते हैं, 'जब से पेट्रोल में चींटी लगने का वीडियो देखा, तब से गाड़ी खराब होने का डर सताने लगा। इसलिए पावर पेट्रोल ही भरवा रहा हूं।' गाड़ियों को लेकर ये फिक्र अकेले विक्रम या कुणाल की नहीं है। सोशल मीडिया पर भी एथेनॉल फ्यूल से गाड़ियों में गड़बड़ी का दावा करने वाले ढेरों वीडियो शेयर हो रहे हैं। देश में 5 जून को फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए डिजाइन 85फीसदी एथेनॉल वाला ई85 भी लॉन्च कर दिया गया। आगे 100फीसदी एथेनॉल फ्यूल लाने की तैयारी है। अभी ई20 फ्यूल का गाड़ियों पर क्या असर हो रहा है, ये जानने के लिए हम दिल्ली के सबसे बड़े कार रिपेयरिंग मार्केट पालिका पहुंचे। 'फ्यूल टैंक में काली फंगस जमने से जंग लग रही' दीपक राज यहां 20 साल से कार रिपेयरिंग का काम कर रहे हैं। वो कहते हैं, '2 साल से गाड़ियों में फ्यूल से जुड़ी दिक्कतें बढ़ गई हैं। फ्यूल टैंक में काई जमा होने की शिकायतें मिल रही हैं।

दरअसल एथेनॉल में पानी सोखने की क्षमता होती है, जिसकी वजह से फ्यूल के सेंसर खराब हो रहे हैं। टैंक में काली परत सी जमी दिखती है, जिसकी वजह से फ्यूल पंप में जंग लग रही है।' दीपक आगे कहते हैं, 'जब से पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ी है, तब से फ्यूल से जुड़े पार्ट्स फ्यूल सेंसर, पंप और फिल्टर तीनों में दिक्कत आ रही है। पिछले 1 महीने में मर्सिडीज की 6-7 गाड़ियों में एक जैसी ही दिक्कत देखी गई।'कार चलते-चलते अचानक बंद होने की शिकायतें बढ़ीं-मोहसिन 2006 से कार रिपेयरिंग का काम कर रहे हैं। वो कहते हैं कि गाड़ियों में एथेनॉल वाला पेट्रोल डलने के बाद से शिकायतें बढ़ी हैं। गाड़ियों फ्यूल पंप और हाई प्रेशर पंप बैठ जाते हैं। नई कारें भी चलते-चलते अचानक बंद हो जाती हैं। इंजन के इंजेक्टर, फ्यूल फिल्टर, फ्यूल पंप, पिस्टन, वाल्व सभी पार्ट्स में खराबी आ रही है। मोहसिन कहते हैं, 'नई गाड़ियां ई20 पेट्रोल के हिसाब से बनी हैं। अब अगर एथेनॉल की मात्रा पहले से बढ़ाई गई, तो ये गाड़ियां कैसे चलेंगी। जो गाड़ियां सिर्फ पेट्रोल या फिर ई10 के लिए बनी हैं, उनमें तो गड़बड़ी आनी शुरू हो चुकी है।' 8-10 साल में खराब होने वाला फ्यूल पंप एक साल में बेकार-मयंक मलिक दिल्ली में कार डीलर हैं। वे ऑडी, बीएमडब्लू, मर्सिडीज जैसी प्रीमियम कारों में डील करते हैं। मयंक कहते हैं कि एथेनॉल का सबसे ज्यादा असर गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले रबर और प्लास्टिक पार्ट्स पर हुआ है। वो गलकर जल्दी खराब हो रहे हैं। गाड़ी में रिपेयर वर्क ज्यादा आ रहा है। माइलेज भी घटा है। पुरानी कारों पर असर सबसे ज्यादा है। कार के ऑटोपार्ट्स की दुकान चलाने वाले राजेश कहते हैं कि पहले गाड़ियों में 8-10 साल बाद ही फ्यूल पंप खराब होता था, लेकिन अब एक साल पुरानी गाड़ियों के फ्यूल पंप खराब हो रहे हैं। ये गड़बड़ी भी पेट्रोल गाड़ियों में ही देखने को मिल रही है। डीजल गाड़ी में ये शिकायतें नहीं आ रहीं। एथेनॉल फ्यूल के बाद बाइक में 5 शिकायतें आ रहीं-बाइक मैकेनिक चंद्रप्रकाश 35 साल से काम कर रहे हैं। वे कहते हैं कि पिछले एक साल से बाइक में फ्यूल फिल्टर और थ्रोटल बॉडी में ज्यादा शिकायतें आ रही हैं। थ्रोटल बॉडी एक्सीलरेटर के मुताबिक इंजन में जाने वाली हवा की मात्रा को कंट्रोल करती है। मार्केट में अलग-अलग मैकेनिक और डीलर्स से बात करने पर बाइक में आने वाली ये 5 दिक्कतें समझ आईं-1. कोल्ड स्टार्टः ऐसी बाइकें जो ई20 फ्यूल के लिए नहीं बनी हैं, उन्हें सुबह के वक्त स्टार्ट करने में दिक्कत आ रही है। ठंड के मौसम में परेशानी बढ़ जाती है। 2. रबर और प्लास्टिक पार्ट पर असरः इससे फ्यूल से जुड़े पार्ट्स जैसे- सील, होज और गैस्केट जल्दी खराब हो रहे हैं। ई20 फ्यूल को सपोर्ट करने वाली नई बाइक में ये दिक्कतें नहीं आ रहीं।3 फ्यूल टैंक में नमी और जंगः पिछले एक से डेढ़ साल में देखा गया कि लंबे समय तक बाइक बंद पड़ी रहने पर फ्यूल सिस्टम में जंग लग जाती है। इससे जुड़े पार्ट्स भी खराब हो जाते हैं। 4. माइलेज में कमीः माइलेज में करीब 5-7फीसदी की कमी देखी गई। 5. इंजन की परफॉर्मेंसः गाड़ी के पिकअप और थ्रोटल रिस्पॉन्स में फर्क महसूस हो रहा है।एथेनॉल हाइग्रोस्कोपिक होता है, यानी ये हवा में मौजूद-नमी को अपनी ओर खींचने और सोखने की क्षमता रखता है।फ्यूल टैंक पूरी तरह सील नहीं होते, इसलिए टैंक में हवा का आना-जाना होता रहता है और इसी हवा के जरिए नमी अंदर पहुंचती है। हवा में मौजूद जलवाष्प यानी वाटर वेपर एथेनॉल के संपर्क में आने पर उसमें घुलने लगती है। फ्यूल में एथेनॉल मिश्रण जितना ज्यादा होगा, उतनी ज्यादा नमी सोखने की संभावना बढ़ जाएगी-लंबे समय तक गाड़ी खड़ी रहने पर टैंक में नमी जमा होने की आशंका बढ़ जाती है, क्योंकि फ्यूल का इस्तेमाल नहीं होता। एक सीमा से ज्यादा होने पर 'फेज सेपरेशन' हो सकता है, जिसमें पानी और एथेनॉल नीचे बैठ जाता है, जबकि पेट्रोल ऊपर आ जाता है। फेज सेपरेशन होने पर इंजन को सही मिश्रण नहीं मिलता, जिससे गाड़ी स्टार्ट होने में दिक्कत, मिसफायरिंग और परफॉर्मेंस में कमी आ सकती है। टैंक में जमा पानी मेटल के पुर्जों में जंग लगा सकता है, जिससे फ्यूल पंप, इंजेक्टर और फ्यूल लाइन को नुकसान हो सकता है'माइलेज और इंजन की टेस्टिंग का डेटा तैयार करना जरूरी' ऑटोमोटिव एक्सपर्ट टूटू धवन कहते हैं, 'एथेनॉल से लोग गाड़ियों का माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन इसकी सही तरीके से टेस्टिंग नहीं हो रही है। सरकार और एजेंसी को माइलेज की टेस्टिंग करवेज डेटा पेश करना चाहिए।"एथेनॉल के नमी सोखने से इंजन में कितनी दिक्कत हो रही है, इस पर डिटेल स्टडी की जरूरत है। इंजन के रबर और प्लास्टिक पार्ट पर भी असर होना तय है। पुरानी गाड़ियों के इंजन पर असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि गाड़ी 2-3 दिन में ही खराब हो जाए। इसमें वक्त लगेगा।' पुरानी कार वाले ओनर्स के लिए वे 3 सलाह देते हैं-1. गाड़ी लंबे वक्त तक खड़ी न रखें, बीच-बीच में चलाते रहें। 2. फ्यूल से जुड़े पार्ट्स को समय-समय पर मॉनीटर करें। 3. पेट्रोल के साथ 0.5फीसदी टू-टी ऑयल डालें। एथेनॉल की वजह से गाड़ियों में आ रही दिक्कतों को लेकर हमने सरकार का पक्ष जानने की कोशिश की। हमने पेट्रोलियम मिनिस्ट्री को सवाल भी भेजे हैं, जिनका जवाब मिलने पर खबर में शामिल करेंगे।

राम मंदिर चढ़ावे की गिनती में हुए 3 बदलाव,चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट पीएमओ को भेजी, चंपत राय अब फैसले नहीं ले रहे

अयोध्या। अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावे में हुई हेर-फेर की जांच अब आखिरी मोड़ पर पहुंच गई है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने अपनी शुरुआती जांच पूरी कर ली है। एसआईटी चीफ विजय विश्वास पंत की अगुआई में रिपोर्ट भी तैयार कर ली गई है। चूंकि यह मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा है, इसलिए इस रिपोर्ट को पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) भेजा जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी खुद इस मामले पर नजर रख रहे हैं। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद ही कोई कानूनी कार्रवाई शुरू होगी। इस बीच, अयोध्या के डीएम शशांक त्रिपाठी ने मंदिर प्रबंधन के कामकाज देखना शुरू कर दिया है। वह ट्रस्ट में पदेन सदस्य भी हैं। मंदिर के अंदर हुए 3 बड़े बदलावः- जांच शुरू होने के बाद मंदिर के अंदर की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया गया है। मंदिर में काम करने वाले 1600 कर्मचारियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। टेबल-कुर्सी नहीं, दरी पर बैठकर हो रही गिनती : पहले दानपात्र में आने वाले चढ़ावे के नोटों की गिनती सेवादार टेबल-कुर्सी पर बैठकर करते थे। लेकिन, अब जमीन पर दरी और कालीन बिछाकर नोट गिने जाते हैं। आते-जाते समय कर्मचारियों की सख्त तलाशी ली जा रही है। अब दानपात्र से रुपए निकालने की वीडियोग्राफी हो रही है। पुराने कर्मचारी हटाए गए : मंदिर में काम करने वाले 40 भरोसेमंद सेवादारों को ही नोट गिनने के काम में लगाया गया है। पुराने स्टाफ और नोट गिनने आने वाले बैंक के 2 कर्मचारियों को भी हटाकर नए लोग तैनात किए गए हैं। 6 नए सीसीटीवी भी लगाए गए हैं। डीवीआर में वीडियो स्टोरेज भी बढ़ाई जा रही है। ट्रस्टियों के अधिकार फ्रीज : ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और आमंत्रित सदस्य गोपाल राव अब मंदिर के रोजमर्रा के कामों में एक्टिव नहीं हैं। अब वे मंदिर की व्यवस्था से जुड़ा किसी तरह का नया फैसला नहीं ले सकते। अयोध्या के डीएम शशांक त्रिपाठी जो खुद ट्रस्ट के सदस्य हैं, उनकी निगरानी में काम चल रहा है। चंपत राय मंदिर से बाहर नहीं आए, डॉ. अनिल घर से आ-जा रहे-चंपत राय पहले कारसेवकपुरम में रहते थे। लेकिन, चढ़ावे में हेर-फेर सामने आने के बाद से वह राम मंदिर परिसर में ही रहने लगे हैं। वह मंदिर परिसर के बाहर नहीं जाते। दूसरी तरफ, डॉ. अनिल मिश्रा रोज राम मंदिर परिसर पहुंच रहे हैं। उसके बाद वे मंदिर से 4 किमी दूर लक्ष्मणपुरी कॉलोनी में अपने घर चले जाते हैं। गोपाल राव मंदिर से बिल्कुल सटे तीर्थ क्षेत्रपुरम में रहते हैं। वे हर रोज मंदिर आते हैं। बाकी जिन कर्मचारियों के घर से रुपए बरामद हुए, उन्हें मंदिर परिसर के अंदर बेसमेंट में रखा गया है। अधिकारी और पुलिस यहीं पर उनसे पूछताछ करते हैं। उन्हें मंदिर परिसर के बाहर नहीं जाने दिया जा रहा।

3 हिस्सों में तैयार हुई है एसआईटी रिपोर्ट-एसआईटी ने इस पूरे मामले की जांच को 3 भागों में बांटा है, जिससे मौजूदा लापरवाही सामने लाई जा सके। साथ ही यह भी तय हो जाए कि भविष्य में चढ़ावा और मंदिर संपत्ति में हेर-फेर न हो सके। पहला : आपराधिक जांच-एसआईटी ने जांच में देखा कि किस कर्मचारी या ट्रस्टी की लापरवाही से चढ़ावे का पैसा, जेवरात या मंदिर की संपत्ति गायब हुई। दूसरा : फाइनेंशियल ऑडिट- मंदिर में अब तक आए कुल दान, बैंक खातों के लेन-देन, टेंडर प्रक्रिया और जमीनों की खरीद-फरोख्त की जांच शामिल है।

तीसरा : सुझाव- एसआईटी ट्रस्ट में बदलाव या सुधार के लिए नए नियम-कानून, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदारी तय करने के सुझाव देगी। संघ और सरकार के बीच सहमति, ट्रस्टी हटना तय- ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारियों में चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव को एसआईटी रिपोर्ट में क्लीनचिट मिलना मुश्किल है। भले ही इन पर सीधे तौर पर चोरी के आरोप न लगे हों, लेकिन लापरवाही और अनदेखी करने का दोषी माना जाना तय है।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सरकार के बीच यह सहमति बन चुकी है कि आने वाले दिनों में इन तीनों को धीरे-धीरे ट्रस्ट की जिम्मेदारियों से हटा दिया जाएगा। ये संकेत ट्रस्टियों को दिया भी जा चुका है। जांच की फाइनल रिपोर्ट आने के बाद होगी एफआईआर, अरेस्टिंग-राम मंदिर में चढ़ावे की हेर-फेर को लेकर जनता और विपक्ष में भारी नाराजगी है।

ऐसे में सरकार 'जीरो टॉलरेंस' का संदेश देना चाहती है। 7 दिन पर प्रारंभिक रिपोर्ट आ चुकी है। 15 दिन पर फाइनल रिपोर्ट आने के बाद ही दोषी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। यह मुकदमा खुद राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से दर्ज कराया जा सकता है। इसके अलावा 5 और सदस्य परिसर में रखे गए हैं। इनमें मंदिर कर्मचारी मनीष यादव, लवकुश मिश्रा और राजेश पाठक शामिल हैं। इनके घरों से रुपए बरामद हुए हैं। वहीं, टीसीएस के अनुबंध कर्मचारी रत्नेश चतुर्वेदी और गगनदीप सिंह पर गणना के दौरान रुपए की हेरा-फेरी के आरोप हैं।

कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट में हुआ धमाका जिसमे 12 भारतीयों समेत 13 की मौत,दो दिन पहले प्रोडक्शन शुरू हुआ था

दोहा। इसी इलाके से दुनिया के कई देशों को गैस भेजी जाती है। यहां से घरेलू बिजली संयंत्रों और उद्योगों को भी गैस सप्लाई होती है। भारतीय दूतावास लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उत्तर भारत के राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए वहां पहुंचे हैं। हजारों भारतीय डॉक्टर, नर्स, इंजीनियर, शिक्षक, बैंक अधिकारी, आईटी प्रोफेशनल और कारोबारी के रूप में भी काम कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) निर्यातकों में शामिल कतर की अर्थव्यवस्था काफी हद तक तेल और गैस पर निर्भर है। इस सेक्टर में भी बड़ी संख्या में भारतीय इंजीनियर, तकनीशियन और कर्मचारी काम करते हैं। ईरान जंग में रास लाफान की 2 यूनिट को नुकसान पहुंचा-रॉयटर्स के मुताबिक, मार्च में ईरान के मिसाइल हमले में रास लाफान की दो गैस यूनिट क्षतिग्रस्त हो गई थीं। इससे कतर की गैस निर्यात क्षमता का करीब 17फीसदी हिस्सा प्रभावित हुआ था। कतरएनर्जी के सीईओ के मुताबिक, इन यूनिटों की पूरी मरम्मत में तीन से पांच साल लग सकते हैं। ईरान युद्ध के दौरान कंपनी को करीब 10 हजार कर्मचारियों को गैस संयंत्रों से हटाना पड़ा था। हालांकि मार्च में हुए मिसाइल हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एलएनजी प्लांट को दोबारा शुरू करना बेहद जटिल प्रक्रिया होती है और इसे चरणबद्ध तरीके से किया जाता है, ताकि तापमान में अचानक बदलाव से उपकरणों को नुकसान न पहुंचे। रास लाफान सिटी बनाने के बाद अमीर हुआ कतर-कतर की आर्थिक सफलता में

बोला- कतर के अधिकारियों से संपर्क में-दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह कतर के अधिकारियों के लगातार संपर्क में है और मृतकों तथा घायलों के परिवारों को हरसंभव मदद दी जाएगी। दूतावास ने +974-55647502 और +975-55384683 हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इसके अलावा madad.doha@mea.gov.in ईमेल के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है। इससे पहले दूतावास ने कहा था कि कई लोग घायल हुए हैं और कुछ लोग लापता हैं। कतर में हर पांचवा शख्स भारतीय-कतर में करीब 7.46 लाख भारतीय रहते हैं। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कतर की कुल आबादी का करीब 22फीसदी हिस्सा भारतीय हैं, जो सबसे बड़ा विदेशी समुदाय है। देश की आबादी में हर पांचवा शख्स आबादी भारतीय है। तेल-गैस उद्योग, निर्माण कार्य, अस्पताल, स्कूल, बैंक और आईटी सेक्टर तक भारतीयों की बड़ा रोल है। कतर में रहने वाले भारतीयों में बड़ी संख्या केरल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात और बिहार से आने वाले लोगों की है। पहले केरल के लोगों का दबदबा था, रास लाफान की बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसे कतर की गैस इकोनॉमी का दिल माना जाता है। दोहा से 80 किमी उत्तर रेगिस्तान में बसे इस इंडस्ट्रियल सिटी की वजह से कतर दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातकों में शामिल हुआ। यह 100 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में फैला हुआ है। यहां गैस प्रोसेसिंग और एलएनजी प्लांट बने हैं। दोहा के दक्षिणी हिस्से में समुद्र किनारे लंबी औद्योगिक पट्टी बनाई गई, जहां गैस से अमोनिया और खाद तैयार की जाती है। 1990 से 2010 के बीच कतर की अर्थव्यवस्था हर साल औसतन 13 फीसदी की दर से बढ़ी। इस तेज विकास के लिए देश ने बड़ी संख्या में विदेशी मजदूर और पेशेवर कर्मचारियों को बुलाया। आज कतर की 32 लाख आबादी में करीब 90 फीसदी लोग विदेशी नागरिक हैं। इस सफलता को और बढ़ाने के लिए कतर ने 2019 में घोषणा की कि वह 2027 तक एलएनजी उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 12.6 करोड़ टन सालाना करेगा। युद्ध से पहले उसकी क्षमता करीब 7.7 करोड़ टन थी। यह विस्तार दुनिया की सबसे बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं में गिना जा रहा था। लेकिन जंग की वजह से यह सब रुक गया है।

ब्रिटेन के संभावित नए पीएम बर्नहैम टीवी सीरियल देखकर राजनीति में आए

लंदन। आयरिश मूल के बर्नहैम की पहचान सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है। वह लिवरपूल के एवर्टन फुटबॉल क्लब के बड़े फैन हैं। कैम्ब्रिज में पढ़ाई के दौरान नीदरलैंड की मैरी से प्यार हुआ-एंडी बर्नहैम ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई की, लेकिन वहां का माहौल उनके लिए आसान नहीं था। अपनी किताब 'हेड नॉर्थ' में उन्होंने लिखा है कि कई बार उन्हें लगता था कि वे वहां के नहीं हैं और खुद को एक 'बाहरी' की तरह महसूस करते थे। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि म्यूजिक में बढ़ी। मैनचेस्टर के इंडी बैंड्स- द स्मिथ्स और द स्टोन रोजेज के गानों ने उनकी सोच और व्यक्तित्व को काफी प्रभावित किया। बर्नहैम के मुताबिक, इसी म्यूजिक कल्चर ने उन्हें अपनी अलग पहचान दी। एंडी बर्नहैम की लव स्टोरी की शुरुआत कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से हुई थी। यहीं उनकी मुलाकात नीदरलैंड में जन्मीं मैरी-फ्रांस वैन हील से हुई। दोनों इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई के दौरान करीब आए और कई साल बाद 2000 में शादी कर ली। आज उनके तीन बच्चे हैं। बर्नहैम ने 2009 में द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआती दौर में वे परिवार बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे थे। उनका मानना था कि जिंदगी में पहले स्थिरता हासिल करना जरूरी है। 31 साल की उम्र में पहली बार सांसद बने-एंडी बर्नहैम ने करियर की शुरुआत राजनीति से नहीं, बल्कि पत्रकारिता से की थी। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने टैंक वर्ल्ड और पैसेंजर वर्ल्ड मैनेजमेंट जैसी पत्रिकाओं में काम किया। 20 साल की उम्र में उन्हें राजनीति में पहला मौका मिला, जब वह लेबर सांसद टेसा जोवेल के रिसर्चर बने। इसके बाद बर्नहैम ने तेजी से राजनीति में पहचान बनाई। वह संस्कृति मंत्री क्रिस स्मिथ के सलाहकार रहे और 2001 में ग्रेटर मैनचेस्टर के लीघ सीट से पहली बार सांसद चुने गए। संसद पहुंचने के बाद बर्नहैम ने टोनी ब्लेयर सरकार में जूनियर मंत्री के तौर पर काम किया। गॉर्डन ब्राउन के कार्यकाल में उनका कद और बढ़ा और उन्हें कैबिनेट में जगह मिली। इस दौरान उन्होंने वित्त, संस्कृति और स्वास्थ्य जैसे अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी

संभाली। दो बार लेबर पार्टी का चुनाव हारे, फिर भी नहीं छोड़ी दावेदारी

2010 में लेबर पार्टी की चुनावी हार के बाद एंडी बर्नहैम ने पहली बार पार्टी नेता बनने की कोशिश की, लेकिन पांच उम्मीदवारों में चौथे स्थान पर रहे। पार्टी की कमान एड मिलिबैंड के हाथ में चली गई। पांच साल बाद 2015 में बर्नहैम ने दूसरी बार किस्मत आजमाई। इस बार उन्हें जेरेमी कॉर्बिन ने हरा दिया। लगातार दो हार के बावजूद उन्होंने पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने पर काम जारी रखा। आलोचक अक्सर बर्नहैम पर राजनीतिक रुख बदलने के आरोप लगाते रहे हैं। हालांकि, ब्रेक्जिट के मुद्दे पर वह लगातार यूरोपीय यूनियन के पक्ष में रहे। 2016 के जनमत संग्रह में उन्होंने ब्रिटेन के ईयू में बने रहने का समर्थन किया था। बाद में उन्होंने कहा कि वह अपने जीवनकाल में ब्रिटेन को दोबारा यूरोपीय संघ का हिस्सा बनते देखना चाहते हैं। सरकार से भिड़े तो 'किंग ऑफ द नॉर्थ' का नाम मिला-दो बार लेबर पार्टी का नेता बनने से चूकने के बाद एंडी बर्नहैम ने 2017 में नई पारी शुरू की। उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति छोड़ ग्रेटर मैनचेस्टर के पहले सीधे चुने गए मेयर का चुनाव लड़ा और 60इ से ज्यादा वोटों के साथ जीत दर्ज की। 2021 में उन्होंने और बड़े अंतर से दोबारा जीत हासिल की। कोविड महामारी के दौरान बर्नहैम ने नॉर्थ इंग्लैंड के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोला। उस समय लंदन की सत्ता से उनकी टक्कर ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई और मीडिया ने उन्हें 'किंग ऑफ द नॉर्थ' कहना शुरू कर दिया। अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल उठाए-स्टार्मर की सरकार बनने के बाद भी बर्नहैम ने चुप्पी नहीं साधी। उन्होंने सरकार की खर्च और कर्ज से जुड़ी आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए, जिसके चलते पार्टी के भीतर ही उनके खिलाफ आवाजें उठने लगीं। हालांकि, 2025 तक उन्हें लेबर पार्टी के अगले बड़े चेहरे और संभावित नेता के तौर पर देखा जाने लगा था। जनवरी 2026 में जब ग्रेटर मैनचेस्टर के सांसद एंड्रयू गिवन ने सीट छोड़ने का ऐलान किया, तो बर्नहैम की वेस्टमिंस्टर वापसी की चर्चा तेज हो गई। लेकिन उपचुनाव में पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया। माना गया कि यह फैसला प्रधानमंत्री और लेबर नेता कीर स्टार्मर की सहमति से लिया गया था। पार्टी की हार से स्टार्मर पर सवाल उठे-मई 2026 में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के चुनावों में लेबर पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद से खराब रहा। वहीं नाइजल फराज की रिफॉर्म यूके तेजी से मजबूत हुई। उसने उन इलाकों में भी बढ़त बनाई, जिन्हें एंडी बर्नहैम का गढ़ माना जाता था। खराब नतीजों के बाद कीर स्टार्मर के नेतृत्व पर सवाल उठने लगे। कुछ सांसदों ने नेतृत्व बदलने की मांग की, जबकि सरकार और पार्टी में इस्तीफों का दौर भी शुरू हो गया। इसी बीच लेबर सांसद जोश साइमंस ने मेकरफील्ड सीट छोड़ने का ऐलान किया, ताकि बर्नहैम संसद में वापसी कर सकें। पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाया और अगले महीने हुए उपचुनाव में उन्होंने जीत हासिल कर वेस्टमिंस्टर में वापसी कर ली। इस जीत को सिर्फ उनकी संसदीय वापसी नहीं, बल्कि लेबर पार्टी के अगले नेता की दौड़ में उनकी एंट्री के तौर पर देखा गया। दरअसल, पार्टी का नेता बनने के लिए सांसद होना जरूरी है और बर्नहैम ने यह शर्त पूरी कर ली थी। आम लोगों की भाषा बोलना बर्नहैम की सबसे बड़ी ताकत-मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी में राजनीति के प्रोफेसर रॉबर्ट फोर्ड के मुताबिक, एंडी बर्नहैम की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह मुश्किल और तकनीकी मुद्दों को भी आम लोगों की भाषा में समझा देते हैं। फोर्ड का कहना है कि बर्नहैम सिर्फ अच्छे वक्ता ही नहीं, बल्कि बेहतरीन कहानीकार भी हैं। वह लोगों को आसानी से समझा देते हैं कि वह किसके लिए राजनीति कर रहे हैं और क्या हासिल करना चाहते हैं। प्रोफेसर के मुताबिक, यही बात उन्हें कई दूसरे लेबर नेताओं और मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अलग बनाती है। जहां स्टार्मर की राजनीति को अक्सर तकनीकी और प्रशासनिक माना जाता है, वहीं बर्नहैम आम मतदाताओं से भावनात्मक जुड़ाव बनाने में ज्यादा सफल दिखते हैं।

इसी वजह से लेबर पार्टी के भीतर कई लोग उन्हें ऐसा नेता मानते हैं, जो पार्टी की घटती लोकप्रियता को रोककर समर्थकों में नया उत्साह पैदा कर सकता है।

सिक्योरिटी को चकमा देकर जॉन अब्राहम से मिलने पहुंचा फैन,बॉडीगार्ड ने पकड़ा तो एक्टर ने बड़ा दिल दिखाते हुए मुलाकात की

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम से मिलने के लिए एक फैन स्टेज पर पहुंच गया। यह घटना तब हुई, जब रविवार यानी 21 जून को वर्ल्ड मोटरसाइकिल डे के मौके पर वह बेंगलुरु में आयोजित एक इवेंट में शामिल हुए। इवेंट के दौरान जॉन ने बाइक पर एंट्री ली और वहां मौजूद लोगों से बाइक्स के प्रति अपने लगाव के बारे में बात की। इवेंट के दौरान एक फैन सिक्योरिटी को चकमा देकर स्टेज पर जॉन से मिलने पहुंच गया। सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि फैन के स्टेज पर पहुंचते ही एक बॉडीगार्ड ने उसे पकड़कर नीचे ले जाने की कोशिश की। इस दौरान जॉन अब्राहम ने बॉडीगार्ड को रोकने की कोशिश की और फैन से कुछ देर मुलाकात की। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई यूजर्स ने जॉन के व्यवहार की जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'जॉन सच में जमीन से जुड़े इंसान हैं।' दूसरे ने लिखा, 'जॉन बहुत अच्छे इंसान हैं।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप इंसानियत, दयालुता और अपने फैंस के लिए प्यार की मिसाल हैं। आपने अपने फैन का दिन बना दिया।' हालांकि, कुछ यूजर्स ने इसे पेड पीआर स्टंट बताया। एक यूजर ने लिखा, 'इसमें मुझे कुछ भी असली नहीं लगा, आजकल पीआर टीमें बहुत क्रिएटिव हो गई हैं।' वहीं दूसरे ने कमेंट किया, 'पता नहीं इस एक्ट के लिए कितने पैसे दिए गए। अब सब कुछ लाइक्स, व्यूज और चर्चा के लिए किया जाता है।'

जॉन आखिरी बार फिल्म 'तेहरान' में नजर आए थे-वर्क फ्रंट की बात करें तो जॉन अब्राहम आखिरी बार फिल्म 'तेहरान' में नजर आए थे, जो पिछले साल 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज हुई थी। वहीं, इससे पहले वह फिल्म 'द डिप्लोमैट' में नजर आए थे। यह फिल्म 14 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म का कुल बजट लगभग 20 करोड़ रुपए था। वहीं, दुनिया भर में इसकी कुल कमाई लगभग 51.46 करोड़ रुपए रही थी। अब वह रोहित शेट्टी के प्रोडक्शन में बन रही राकेश मारिया की बायोपिक में दिखाई देंगे, जिसके इसी साल रिलीज होने की उम्मीद है। इसके अलावा वह हर्षवर्धन राणे के साथ 'फोर्स 3' पर भी काम कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग जारी है।

हर एलर्जी मामूली नहीं-जान भी जा सकती है, डॉक्टर से जानें क्या है एनाफिलैक्सिस, एलर्जी है तो ये इंजेक्शन साथ रखें

नयी दिल्ली। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' के मुताबिक, दुनिया में लगभग 20-30फीसदी लोगों को कभी-न-कभी एलर्जी की समस्या होती है। इसमें आमतौर पर छींक, खुजली या आंखों से पानी आने जैसे लक्षण दिखते हैं। लेकिन कुछ लोगों में यही एलर्जी अचानक 'एनाफिलैक्सिस' का कारण बन सकती हैं। एनाफिलैक्सिस एक गंभीर एलर्जिक रिएक्शन है। इसमें अचानक ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। कुछ मामलों में ऑर्गन फेलियर भी हो सकता है। 'द जर्नल ऑफ एलर्जी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अमेरिका में हर 100 में से 1-5 लोगों को कभी-न-कभी एनाफिलैक्सिस हुआ है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में एनाफिलैक्सिस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-यह शरीर को कैसे प्रभावित करता है? एनाफिलैक्सिस से कैसे बचा जा सकता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. रजत गुप्ता, डायरेक्टर, क्रिटिकल केयर, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- एनाफिलैक्सिस क्या है? जवाब- नीचे पॉइंटर्स से समझिए- एनाफिलैक्सिस एक तरह की एलर्जी ही है, लेकिन यह उसका थोड़ा गंभीर रूप है। यह कुछ फूड आइटम्स, दवाओं या कीड़े के डंक से ट्रिगर हो सकता है। इसमें शरीर में बहुत तेजी से रिएक्शन होता है। एनाफिलैक्सिस में कुछ ही मिनटों में हालत गंभीर हो सकती है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसलिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है। सवाल- यह सामान्य एलर्जी से कैसे अलग है?जवाब- सामान्य एलर्जी और एनाफिलैक्सिस में बड़ा फर्क इसके लक्षणों की गंभीरता का है। पॉइंटर्स से समझिए- सामान्य एलर्जी इसमें छींक, खुजली, आंखों से पानी या स्किन रैशेज जैसे हल्के लक्षण दिखते हैं। इसके लक्षण अक्सर शरीर के एक हिस्से तक सीमित रहते हैं। यह आमतौर पर जानलेवा नहीं होती है।एनाफिलैक्सिस इसमें रिएक्शन तेजी से बढ़ता है और शरीर के कई अंगों को एक साथ प्रभावित कर सकता है। इसमें रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स, गले में सूजन, लो ब्लड प्रेशर और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। एनाफिलैक्सिस जानलेवा हो सकता है। सवाल- शरीर में एनाफिलैक्सिस होने पर क्या होता है? जवाब- एनाफिलैक्सिस में इम्यून सिस्टम अचानक ओवररिएक्ट करता है। इसको ऐसे समझते हैं- शरीर किसी सामान्य चीज को भी बड़ा खतरा मान लेता है।इसके जवाब में इम्यून सिस्टम कुछ केमिकल्स रिलीज करता है। इनमें हिस्टामिन सबसे अहम होता है। हिस्टामिन के असर से ब्लड वेसल्स रिलैक्स होकर फैल जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर अचानक कम होता है, जिससे बॉडी ऑर्गन्स तक ब्लड की सप्लाई कम हो जाती है। स्किन पर तुरंत असर दिख सकता है। खुजली, रेडनेस और रैशेज हो सकते हैं। चेहरे, होंठ और जीभ में सूजन आ सकती है। एनाफिलैक्सिस में इम्यून सिस्टम अचानक ओवररिएक्ट करता है और केमिकल्स रिलीज करता है। इससे ब्लड प्रेशर गिरता है, रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट सिकुड़ता है और सूजन बढ़ती है। समय पर इलाज न मिले तो यह जानलेवा हो सकता है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कितनी तेजी से फैलता है? जवाब- इसके लक्षण 5-30 मिनट के भीतर शुरू होते हैं और कुछ ही मिनटों में गंभीर हो जाते हैं। सवाल- क्या हर एलर्जी एनाफिलैक्सिस में बदल सकती है? जवाब- नहीं, ऐसा नहीं होता है। हालांकि, कुछ लोगों में एलर्जी एनाफिलैक्सिस का रूप ले सकती है। इसलिए एलर्जी के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर एलर्जी के साथ- सांस लेने में दिक्कत हो चेहरे या गले में सूजन हो चक्कर आए बेहोशी आए तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- किन चीजों से एनाफिलैक्सिस हो सकता है? जवाब- एनाफिलैक्सिस आमतौर पर उन चीजों से ट्रिगर होता है, जिनसे शरीर को एलर्जी होती है। ये ट्रिगर्स हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन कुछ कॉमन कारण होते हैं।सवाल- क्या रोजमर्रा का खाना भी ट्रिगर बन सकता है? जवाब- हां, यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति को किस चीज से एलर्जी है। कुछ लोगों के लिए- दूध, अंडा, मूंगफली, ट्री नट्स गेहूं, सोया या सीफूड जैसे कॉमन फूड आइटम्स भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। जो चीज आमतौर पर सेफ मानी जाती है, वही किसी एलर्जिक व्यक्ति के लिए रिस्की बन सकती है। सवाल- क्या दवाओं से भी एनाफिलैक्सिस हो सकता है? जवाब- हां, कुछ दवाएं भी एनाफिलैक्सिस ट्रिगर कर सकती हैं। सबसे ज्यादा रिस्क कुछ एंटीबायोटिक्स से होता है। जैसे- पेनिसिलिन ग्रुप की दवाएं। पेन किलर्स । कुछ लोगों में वैक्सीन या एनेस्थीसिया से भी रिएक्शन हो सकता है। इसलिए अगर किसी दवा से पहले कभी एलर्जी हुई हो तो डॉक्टर को जरूर बताएं। सवाल- क्या ये किसी भी व्यक्ति को हो सकता है? जवाब- हां, एनाफिलैक्सिस किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। हालांकि इसका रिस्क उन्हें ज्यादा होता है, जिन्हें पहले से- फूड एलर्जी है। दवा से एलर्जी है। अस्थमा है। कुछ मामलों में, किसी व्यक्ति को पहले कभी कोई एलर्जी न हुई हो, फिर भी गंभीर रिएक्शन हो सकता है। सवाल- एनाफिलैक्सिस के शुरुआती संकेत क्या हैं?जवाब- एनाफिलैक्सिस के शुरुआती संकेत हल्के हो सकते हैं, लेकिन ये तेजी से गंभीर लक्षणों में बदल सकते हैं। कुछ संकेत गंभीर स्थिति का इशारा करते हैं। इसका मतलब है कि तुरंत मेडिकल हेल्प लेना जरूरी है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कब जानलेवा हो सकता है? जवाब- इन स्थितियों में एनाफिलैक्सिस जानलेवा हो सकता है- जब सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने लगे। जब गले और सांस की नली में ज्यादा सूजन आ जाए और एयरवे सिकुड़ जाए। जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगे। जब ब्लड प्रेशर अचानक बहुत ज्यादा गिर जाए। जब ब्रेन, हार्ट और दूसरे अंगों तक पर्याप्त खून न पहुंच पाए। जब व्यक्ति को चक्कर आने लगें या वह बेहोश हो जाए। जब इलाज मिलने में देरी हो जाए। जब मरीज 'एनाफिलैक्टिक शॉक' में चला जाए, जो कि एक मेडिकल इमरजेंसी है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कैसे डायग्नोस किया जाता है? जवाब- इसका डायग्नोसिस मुख्य रूप से लक्षणों और टाइमिंग के आधार पर किया जाता है। डॉक्टर देखते हैं कि एलर्जन के संपर्क के बाद कितनी तेजी से रिएक्शन हुआ। अगर कुछ मिनटों से एक घंटे के भीतर स्किन, सांस और हार्ट से जुड़े लक्षण एक साथ दिखें तो एनाफिलैक्सिस हो सकता है। ब्लड प्रेशर अचानक कम होना भी एक अहम संकेत होता है। यह बताता है कि रिएक्शन गंभीर है।सवाल- एनाफिलैक्सिस का ट्रीटमेंट क्या है? जवाब- नीचे पॉइंटर्स में देखें- एनाफिलैक्सिस का पहला और सबसे जरूरी इलाज एपिनेफ्रिन (एड्रेनालिन) इंजेक्शन है। जिन लोगों को गंभीर एलर्जी का रिस्क होता है, डॉक्टर उन्हें एपिनेफ्रिन ऑटो-इंजेक्टर साथ रखने की सलाह दे सकते हैं। गंभीर एलर्जिक रिएक्शन के लक्षण दिखते ही यह इंजेक्शन जांघ (थाई) की मांसपेशी में लगाया जाता है। यह दवा तेजी से असर करती है और सांस लेने में दिक्कत, सूजन और लो ब्लड प्रेशर जैसे लक्षणों को कंट्रोल करने में मदद करती है। इंजेक्शन लगाने के तुरंत बाद इमरजेंसी मेडिकल हेल्प जरूरी है। मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाना चाहिए। इलाज के बाद भी कुछ समय तक मेडिकल निगरानी जरूरी है, क्योंकि कुछ मामलों में लक्षण दोबारा लौट सकते हैं।एपिनेफ्रिन (एड्रेनालिन) इंजेक्शन बिना डॉक्टर की सलाह के यूज नहीं करना चाहिए। इसे अपने पास तभी रखें, जब डॉक्टर ने आपको प्रिस्क्राइब किया हो।सवाल- क्या एनाफिलैक्सिस का घरेलू इलाज संभव है? जवाब- नहीं, एनाफिलैक्सिस का कोई घरेलू इलाज नहीं है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है। देरी खतरनाक हो सकती है। सवाल- एनाफिलैक्सिस से बचाव के लिए क्या करें? जवाब- एनाफिलैक्सिस से पूरी तरह बचाव संभव नहीं है, लेकिन कुछ सावधानियां अपनाकर एलर्जी का रिस्क कम किया जा सकता है। इंग्रीडिएंट्स डिटेल चेक करें। डॉक्टर को अपनी एलर्जी बताएं तेज परफ्यूम यूज न करें। एपिनेफ्रिन हमेशा बच्चों के स्कूल को भी एलर्जी की जानकारी दें। फूड लेबल ध्यान से पढ़ें। रेस्टोरेंट में भी इंग्रीडिएंट्स पूछें। घास पर नंगे पैर न चलें। ट्रिगर पॉट्स से परिवार दोस्तों को एलजी की जानकारी दें। एनाफिलैक्सिस एक जानलेवा एलर्जिक कंडीशन है। थोड़ी सी जागरूकता और तैयारी इस गंभीर स्थिति के रिस्क को काफी हद तक कम कर सकती है।

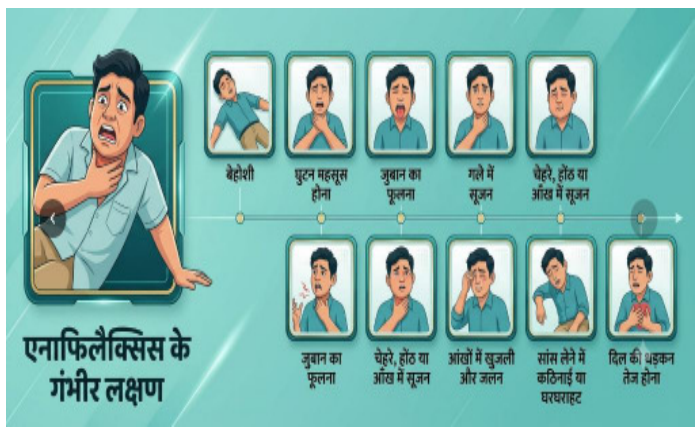

राज बब्बर हुए 74 के- रेप सीन देखकर मां रो पड़ी थीं,मुस्लिम पत्नी का धर्म बदलने से किया इनकार और भी किस्से

मुंबई। महाभारत बनाने वाले बी.आर. चोपड़ा इस शो से पहले एक फिल्म बना रहे थे। नाम था 'इंसाफ का तराजू'। कोई भी बड़ा एक्टर फिल्म में विलेन रमेश गुप्ता बनने के लिए तैयार नहीं था, जिसे लेकिन तू ऐसा काम मत कर।' एक्टर ने आगे कहा था, 'तब मुझे लगा कि मेरी ड्रामा स्कूल की ट्रेनिंग और मेरी पूरी मेहनत सफल हो गई। मां के इन शब्दों से मुझे लगा कि मुझे कामयाबी मिल गई। मेरी

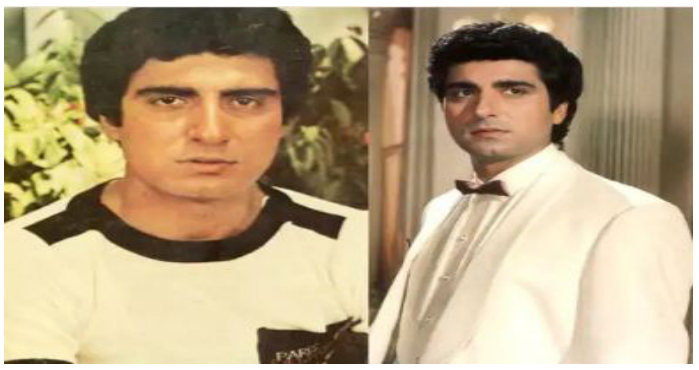

जीनत अमान और पद्मिनी कोल्हापुरे के किरदारों का बलात्कार करते दिखाया जाना था। हर एक्टर को डर था कि यह रोल उसकी इमेज बिगाड़ देगा। तभी एक न्यूकमर एक्टर ने इस रोल के लिए हामी भर दी। फिल्म रिलीज होते ही ब्लॉकबस्टर हो गई। उस नए एक्टर का अभिनय इतना दमदार था कि जब वह मां के साथ फिल्म के प्रीमियर पर पहुंचा, तो फिल्म देखने के बाद हर कोई उससे नफरत करने लगा। रेप सीन का ऐसा असर हुआ कि प्रीमियर में ही नाराज लोग शक्लें बनाते हुए गालियां देने लगे। यह सब देखकर मां वहीं रो पड़ीं और कहा, 'बेटा, हम कम खा लेंगे, लेकिन ऐसे काम मत किया करो।' वो एक्टर थे, राज बब्बर, जो आज 74 साल के हो चुके हैं। जन्मदिन के खास मौके पर जानिए उनकी जिंदगी और करियर से जुड़े कुछ अनसुने किस्से-राज बब्बर का जन्म पंजाबी परिवार में हुआ। राज बब्बर का जन्म एक पंजाबी परिवार में हुआ। उनके दादा और पिता दोनों रेलवे में काम करते थे। परिवार विभाजन के बाद आगरा के टूंडला आ बसा था। बचपन किराए के मकानों में बीता। उन्होंने आगरा कॉलेज से पढ़ाई पूरी की और 1975 में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से ग्रेजुएशन किया। एनएसडी में मेथड एक्टिंग की ट्रेनिंग ने उन्हें स्ट्रीट थिएटर से लेकर बड़े पर्दे तक की राह दिखाई। फिल्मों में एक्टिंग करने मुंबई आने के बाद शुरुआत में उन्होंने करीब 14 फिल्मों में बहुत छोटे-छोटे रोल किए थे। उनकी पहली फिल्म 'शारदा' थी, जिसमें उनका सिर्फ एक डायलॉग था। वहीं, उन्हें बड़ा ब्रेक 1980 में बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'इंसाफ का तराजू' से मिला। इसमें राज बब्बर ने रेपिस्ट रमेश गुप्ता का रोल किया। फिल्म देख नाराज थीं मां, खुशी के आंसू समझकर छू लिए पैर-फिल्म के प्रीमियर में राज बब्बर अपनी मां के साथ दिल्ली गए। रेप सीन को देखकर मां की आंखों में आंसू आ गए थे। राज बब्बर ने टीवी शो 'आप की अदालत' में बताया था, 'जब फिल्म का प्रीमियर हुआ, तो मैं मां ने भी समझा कि मैं ऐसा ही काम करता हूं। अगर ऐसा न करूं, तो मैं अपने उस रोल में सफल नहीं हुआ।' राज बब्बर का 'निकाह' (1982) में सलमा आगा और दीपक पाराशर के साथ निभाया गया रोल यादगार रहा। 'आज की आवाज' (1984) में स्मिता पाटिल के साथ प्रोफेसर का रोल, जहां वे विजिलांटे बन जाते हैं, ने उन्हें क्रिटिकल अक्लेम दिलाया। इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर का नॉमिनेशन मिला। राज बब्बर अपने करियर में कई फिल्मों में विलेन के रोल में नजर आए। इनमें 'इंसाफ का तराजू' (1980), 'साजिश' (1988), 'आंखें' (1993), 'दलाल' (1993), 'अंदाज' (1994), 'द गैम्बलर' (1995), 'याराना' (1995), 'बरसात' (1995), 'जिद्दी' (1997), 'गुंडागर्दी' (1997), 'दागः द फायर' (1999) और 'इंडियन' (2001) जैसी कई फिल्में शामिल हैं। मुस्लिम पत्नी का धर्म परिवर्तन करवाना चाहता था परिवार-राज बब्बर और उनकी पहली पत्नी नादिरा जहीर की लव स्टोरी रंगमंच से शुरू होकर जीवन के कठिन इम्तिहानों तक पहुंची। एनएसडी में हुई पहली मुलाकात धीरे-धीरे गहरे प्यार में बदल गई। उस समय नादिरा, राज बब्बर की सीनियर थीं और नाटकों का डायरेक्शन करती थीं। नादिरा के लिखे एक नाटक में राज बब्बर ने एक्टिंग की थी। नादिरा, राज बब्बर से रहूंगी-फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद राज बब्बर की मुलाकात एक्ट्रेस स्मिता पाटिल से हुई। दोनों फिल्म 'भीगी पलकें' (1982) की शूटिंग के दौरान करीब आए। यह रिश्ता इतना गहरा हुआ कि राज बब्बर ने अपनी पहली पत्नी और बच्चों को छोड़कर 1983 में स्मिता से शादी कर ली। हालांकि, 1986 में स्मिता ने बेटे प्रतीक (प्रतीक बब्बर) को जन्म दिया और डिलीवरी के दौरान हुई दिक्कतों की वजह से उनकी मौत हो गई। स्मिता पाटिल ने मौत से कुछ महीनों पहले ही अपनी मौत की भविष्यवाणी भी की थी। उन्होंने कई बार महेश भट्ट से कहा था कि वह ज्यादा दिनों की मेहमान नहीं हैं, क्योंकि उनके हाथों की लकीरों में जीवन रेखा बहुत छोटी थी। स्मिता पति राज बब्बर से भी कहती थीं, 'मैं ज्यादा दिनों तक आपका साथ नहीं निभा सकूंगी।' इस पर वह अक्सर गुस्से में उन्हें चुप करवा देते थे। ऐसे में स्मिता अपने मेकअप आर्टिस्ट दीपक सावंत से कहती थीं, 'मैं जब मर जाऊं, तो मुझे नई-नवेली दुल्हन की तरह सजाकर उठाना।' स्मिता पाटिल के निधन ने राज बब्बर को भीतर तक झकझोर दिया।

ऐसे कठिन समय में नादिरा ने शिकायतों से ऊपर उठकर, बीती कड़वाहटों को पीछे छोड़, राज बब्बर को फिर से अपने जीवन में जगह दी। बेटे ने शादी में राज बब्बर को नहीं बुलाया-राज बब्बर और स्मिता पाटिल के बेटे प्रतीक के रिश्ते में पिछले कुछ सालों से काफी दूरियां आ गई हैं। जब स्मिता पाटिल का निधन हुआ, तब प्रतीक केवल 15 दिन के थे। जिसके बाद प्रतीक का पालन-पोषण उनके नाना-नानी ने किया। फरवरी 2025 में प्रतीक ने एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी से दूसरी शादी की, लेकिन इस इवेंट में उन्होंने राज बब्बर और अपने सौतेले भाई-बहनों को इनवाइट नहीं किया। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने नाम से 'बब्बर' सरनेम हटाकर आधिकारिक तौर पर 'प्रतीक स्मिता पाटिल' कर लिया। हाल ही में राज बब्बर की पहली पत्नी से बेटे आर्य ने दूसरी पत्नी से बेटे प्रतीक पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने अपने पिता की संपत्ति और पैसे का फायदा उठाया। विक्की लालवानी से बातचीत में उन्होंने कहा, 'हमें समझ ही नहीं आया कि अपनी पूर्व पत्नी से तलाक का मामला सुलझते ही उसने अचानक हमसे संपर्क करना क्यों बंद कर दिया। मैंने उसे कई मैसेज किए, कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।' आर्य ने कहा था, 'जब तुम्हारा (प्रतीक) करियर अच्छा नहीं चल रहा होता और गुजारा करने के लिए पापा से जेब खर्च चाहिए होता है, तब वो तुम्हारे पिता होते हैं। जब तुम्हें उस घर में रहना होता है, जो तुम्हारे पिता ने स्मिता मां के लिए खरीदा था, तब भी वो तुम्हारे पिता होते हैं। जब तुम्हें सारे फायदे चाहिए होते हैं, तब भी वो तुम्हारे पिता होते हैं, लेकिन जब समाज के सामने उन्हें अपना पिता मानने और सम्मान देने की बारी आती है, तब वो तुम्हारे पिता नहीं रह जाते।' प्रतीक ने यह भी कहा कि यह बहुत दुखद है कि जिस स्मिता मां के लिए मेरे पिता ने अपना परिवार छोड़ा था, आज उसी स्मिता मां का बेटा उन्हें अपना पिता मानने को तैयार नहीं है।' शाहरुख ने राज बब्बर से मजेदार सवाल पूछा था-शाहरुख खान के पिता मीर ताज मोहम्मद खान नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) की कैंटीन चलाते थे, जहां बचपन में स्कूल के बाद शाहरुख घंटों बिताते थे और वहीं उनकी मुलाकात राज बब्बर से भी होती थी। शाहरुख राज बब्बर को प्यार से 'बब्बर शेर अंकल' कहकर बुलाते थे। आप की अदालत में शाहरुख ने मजाक में कहा था कि राज बब्बर से उन्होंने शरारतें करना भी सीखा था। एक किस्सा बताते हुए उन्होंने कहा था कि एक प्ले में किसिंग सीन था। वो बड़े रियल लाइफ प्ले हुआ करते थे, तो रोहिणी जी (रोहिणी हट्टंगड़ी) के साथ उनका (राज बब्बर) किसिंग सीन था। तो मैंने एक दिन उनसे बोला, 'अंकल, अंकल, आप सच में उनको किस करते हो?' इस पर राज ने कहा, 'बेटा, जाकर आंटी से पूछ लो। वो बताएंगी तुमको।' शाहरुख ने आगे कहा था कि उन्होंने मुझे काफी प्यार किया। ये नहीं कह रहा कि उन्होंने मुझे बदमाशी सिखाई, लेकिन मुझको बहुत प्यार किया। सलमान ने सरप्राइज में लग्जरी कार गिफ्ट की थी-सलमान खान की फिल्म 'बॉडीगार्ड' में राज बब्बर ने करीना कपूर के पिता का किरदार निभाया था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इस रोल के लिए सलमान खान से कोई फीस भी नहीं ली थी।

हालांकि, शूटिंग पूरी होने के आखिरी दिन सलमान ने राज बब्बर को बिना बताए एक लग्जरी फोर-व्हीलर कार गिफ्ट कर दी थी। सलमान के इस सरप्राइज और दरियादिली से राज बब्बर इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखों में आंसू आ गए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।